

खबर संक्षेप



किसानों ने की कृषि उपकरणों की पूजा
मंदिर हसौद। राजधानी रायपुर के पास स्थित तुलसी (बारा डेरा) में छत्तीसगढ़ के प्रथम पर्व हरेली जो छत्तीसगढ़ के किसानों का प्रमुख और प्रथम त्यौहार है। जहां किसानों के खरीफ फसल की बुवाई रोपाई होने के बाद किसानों द्वारा संयुक्त रूप से हरेली पर्व मनाते हैं। जिसमें सर्वप्रथम घर के दरवाजे पर नीम के पत्तियों लगाते हैं ,जिसकी मानता है कि नीम की पत्ती के साथ घर में शीतला सुख शांति आती है। तथा नीम पत्ती के प्रभाव से कोई भी दूर भागते हैं। उसके बाद किसानों द्वारा अपने घर के अन्न शत्रु कृषि समानों का साफ सफाई कर पूजा पाठ करते है। जिसमें सरपंच सुरेश धीवर उप सरपंच पंच व महिला समूह के मातृशक्ति सम्मिलित हुई, तत्पश्चात विभिन्न खेल प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

भूतपूर्व विद्यार्थियों ने की आर्थिक मदद
तरपोंगी। सङ्ग निवासी अनिल देवांगन की सड़क दुर्घटना में आकस्मिक मृत्यु हो जाने पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तरपोंगी के भूतपूर्व विद्यार्थियों ने अनूठी पहल की है। पूर्व छात्रों द्वारा बनाए गए व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से अपने दिवंगत मित्र के दशगात्र कार्यक्रम हेतु स्वेच्छा से 31,307 की राशि एकत्रित की गई। यह राशि स्व. अनिल देवांगन के साक्षात्कूल परिवारजनों को सौंपकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पूर्व छात्रों द्वारा पहले भी इस प्रकार के सामाजिक व सहयोगात्मक कार्य किए जा चुके हैं, जिनकी पूरे क्षेत्र में काफी सराहना हो रही है। इस दुख की घड़ी में मिली इस सहायता के लिए भुक्त के परिवारजनों ने सभी सहयोगात्मक भूतपूर्व विद्यार्थियों का हृदय से आभार व्यक्त किया है।

साहू समाज ने ग्राम गोड़ी में हरेली पर किया पौधरोपण

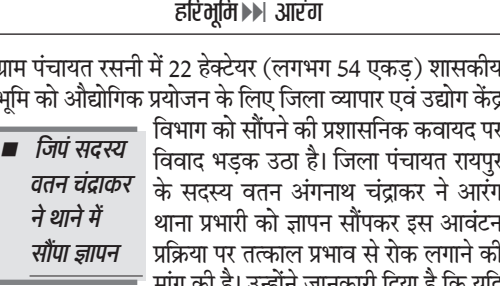


आरंग। हरेली पर्व के अवसर पर साहू समाज गोड़ी की ओर से समाज भवन सहित गांव के विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान समाज के सदस्यों ने पौधे लगाकर उनके संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लिया। कार्यक्रम में साहू समाज गोड़ी के अध्यक्ष छगन लाल साहू, युवा प्रकोष्ठ साहू समाज नरदाह परिक्षेत्र के अध्यक्ष, स्कूल प्रबंधन समिति गोड़ी के सदस्य सहित साहू समाज के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल हुए। समाज भवन परिसर तथा गांव के अन्य सार्वजनिक स्थानों पर विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर स्थानीय अध्यक्ष छगन लाल साहू ने कहा कि हरेली पर्व हरिशाली और प्रकृति से जुड़ा लोकपर्व है। ऐसे अवसर पर पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना समाज की जिम्मेदारी है।

युवा एवं महिला प्रकोष्ठ ने मनाया हरेली तिहार

धरसीवा। छत्तीसगढ़ का पहला लोकपर्व हरेली तिहार शहर जिला साहू संघ रायपुर के युवा एवं महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नवनिर्युक्त पदाधिकारियों का भव्य शपथ ग्रहण समारोह तेलीबांशा तालाब, रायपुर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री अरुण साव व अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ डॉ. नरेंद्र साहू ने की। विशिष्ट अतिथियों के रूप में पूर्व कैबिनेट मंत्री ताम्रध्वज साहू, विधायक मोतीलाल साहू, विधायक पुरन्दर मिश्रा, विधायक संदीप साहू, डॉ. ममता साहू (अध्यक्ष छग. राज्य महिला आयोग), दिलीप साहू, शशिकांत साहू, दिव्या कलिहारी, निर्मला मेहराज साहू, एवं शैलिन साहू, युवा प्रकोष्ठ के संयोजक मुकेश साहू, महिला प्रकोष्ठ की संयोजिक तृष्णा साहू, उपस्थित रहे। सामाजिक एकता एवं सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

उद्योग के लिए रसनी की 54 एकड़ भूमि देने के विरोध में 15 को चक्काजाम



ग्राम पंचायत रसनी में 22 हेक्टेयर (लगभग 54 एकड़) शासकीय भूमि को औद्योगिक प्रयोजन के लिए जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र विभाग को सौंपने की प्रशासनिक कवायद पर विवाद भड़क उठा है। जिला पंचायत रायपुर के सदस्य वतन अंगनाथ चंद्राकर ने आरंग थाना प्रभारी को जापन सौंपकर इस आवंटन प्रक्रिया पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने की मांग की है। उन्होंने जानकारी दिया है कि यदि

15 अगस्त से पहले जमीन आवंटन पर रोक का आदेश जारी नहीं हुआ तो समस्त ग्रामीण स्वतंत्रा दिवस नही मनाएंगे और नेशनल हाईवे पर अनिश्चितकालीन तक के लिए चक्काजाम करेंगे। पुरा मामला तहसीलदार आरंग द्वारा शासकीय भूमि के संबंध में ग्राम पंचायत रसनी से मांगे गए अभिमत से शुरू हुआ।

आरोपियों को न्यायिक अमिरक्षा में 25 अगस्त तक के लिए मेजा जेल

टेकारी-गोड़ी के गैंगवार में तलवार एवं चाकू से हमला, दो जख्मी, 5 गिरफ्तार



मंदिर हसौद थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम टेकारी व गोड़ी के असामाजिक तत्वों का गुट बीते रविवार-सोमवार के दरम्यानी रात टेकारी में भिड़ गये। टेकारी के एक आपराधिक रिकार्ड धारी असामाजिक तत्व के कथित चुनौती को स्वीकार कर गोड़ी के 19 वर्षीय विवेक उर्फ राउडी आत्मज देवनारायण वर्मा के अगुवाई में पहुंचे गोड़ी गुट टेकारी गुट पर भारी पड़ गया और गोड़ी गुट के चाकू-तलवार के वार से टेकारी के दो आपराधिक रिकार्ड धारी अंगेश्वर उर्फ प्रेम आत्मज संतोष वर्मा व योगेश आत्मज टीकाराम साहू को जानलेवा चोटें पहुंची। घटना की सूचना मिलते ही सक्रिय थाना अमला ने लगातार दबिश पर दबिश दे विवेक सहित गोड़ी के ही 20 वर्षीय राजा आत्मज पवन साहू, 20 वर्षीय विक्रम उर्फ भीकलू पिता तेजमार यादव, 19 वर्षीय प्रशांत पिता सुरेश प्रजापति व 22 वर्षीय ओमप्रकाश पिता दुकालू पाल को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 109/ 191(1—2—3) तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25 /27 के अपराध के आरोप में गिरफ्तार कर बीते कल मंगलवार को न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम वर्ग रायपुर अजय सिंह मीणा के न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें आगामी 25 अगस्त तक के लिये न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

छात्र-छात्राओं ने ली प्रतिज्ञा: गूंगा मेरा भारत-नशामुक्त भारत



हरिभूमि ►► आरंग

नशा मुक्त भारत अभियान एवं मिशन स्पंदन के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बनरसी-चपरिद-सेमरिया में नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी प्रकाशमणि जी की पावन स्मृति को समर्पित रहा। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए नशामुक्त एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ परिवार और खुशहाली और समाज के विकास में भी बाधक बनता है। विद्यार्थियों से अपनी ऊर्जा, समय और प्रतिभा का सकारात्मक कार्यों में उपयोग करने



हरिभूमि ►► आरंग

आरोपियों को न्यायिक अमिरक्षा में 25 अगस्त तक के लिए मेजा जेल

टेकारी-गोड़ी के गैंगवार में तलवार एवं चाकू से हमला, दो जख्मी, 5 गिरफ्तार



मोटरसाइकिल पर पहुंचे, तलवार के किया हमला
मिली जानकारी के अनुसार बीते 9-10 अगस्त की दरमियानी रात लगभग 11 बजे के आसपास जब टेकारी के जख्मी दोनों पुलिसिया रिकार्ड धारी अपने साथियों के साथ गाम के बाहर टेकारी से कठिया जाने वाले सड़क मार्ग के किनारे स्थित शनि मंदिर के पास बैठे थे तभी कथित चुनौती को स्वीकार कर लेने की बात कह आरोपीगण कुछ ही समय बाद मोटरसाइकिल से पहुंच गये। गाली गलौच व धक्का मुक्की के बाद अचानक चाकू - तलवार के हमले से अंगेश्वर व योगेश जख्मी हो गये व उनके साथी भाग निकले। सूचना मिलते ही सक्रिय थाना अमला रात से ही दबिश दे आरोपियों की धर-पकड़ शुरू कर दी। दूसरे दिन गाम के कशियाही तालाब में डूबे विक्रम यादव के पिता के नाम की मोटरसाइकिल व तलवार तथा चाकू जप्त की गयी। इधर ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार रविवार को दोपहर समय गाम के बंधवा तालाब पर में महिलाओं की मौजूदगी में गाली गलौच करते पाये गये इस घटना में जख्मी हुये अंगेश्वर उर्फ प्रेम व एक अन्य पुलिसिया रिकार्ड धारी मिथिलेश उर्फ सहे को ग्रामीणों ने वहां से अगया था और दोपहर बाद इनके साथ गाम व बाहर के असामाजिक तत्वों के स्वागत द्वार के पास इकट्ठा होने की सूचना पर थाना प्रभारी आशेष यादव द्वारा भेजे गये पुलिस अमला के पहुंचने के पूर्व अधिकांश भाग निकले थे लेकिन सपड़ में आये तीन के खिलाफ किये गये प्रतिबंधात्मक कार्रवाही कर कार्यपालन दंडाधिकारी मंदिर हसौद के न्यायालय में पेश किये जाने पर एक दिन बाद ही आसन्न स्वतंत्रता दिवस पर्व पर शांति व्यवस्था बनाये रखने के निर्देश की कीमत पर रिहा कर दिये जाने से ग्रामीणों में आक्रोश है।

हरेली पर पशुधन और कृषि यंत्रों की पूजा की व मांगी कृषि समृद्धि

आरंग। गांव-गांव में छत्तीसगढ़ का पारंपरिक पर्व हरेली अमावस्या उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। पर्व के अवसर पर किसानों ने किसानी कार्य बंद रख सुबह से ही खेती-किसानी में उपयोग आने वाले औजारों की साफ-सफाई कर विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके साथ ही पशुधन को स्नान कराकर उनकी पूजा की गई और गौठान प हुं च क र पशुओं को आटे की लोई खिलाने की



परंपरा निभाई गई। हरेली को धरती मां के श्रृंगार और किसान की मेहनत के औजारों के सम्मान का पर्व भी माना जाता है। जिन कृषि औजारों के सहारे किसान धरती मां की कोख से अन्न उगाता है, हरेली पर उन्हीं औजारों की पूजा कर किसान अपनी मेहनत, खेती और प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करता है। इसी क्रम में ग्राम पंचायत फरफौद की सरपंच प्रिया पंकज चंद्राकर, उपसरपंच राकेश चंद्राकर, गवकारी किसान

हरिभूमि ►► धरसीवा

छत्तीसगढ़ी सिनेमा, लोक कला और संस्कृति के संरक्षण तथा संवर्धन में ऐतिहासिक योगदान देने वाले धरसीवा विधायक एवं प्रख्यात अभिनेता अनुज शर्मा को प्रतिष्ठित ‘एक्टिंग आइकॉन अवॉर्ड’ से सम्मानित किया गया है। रायपुर में आयोजित दो दिवसीय ‘सातवें निर्मल पांडे फिल्म फेस्टिवल’ में देश भर से जुटे दिग्गज फिल्मकारों और देश के सुप्रसिद्ध कलाकारों जैसे रोहितराव गोड़, राजेंद्र गुप्ता, रंजीत कपूर, संजय बत्रा और जयंत देशमुख सहित कई प्रमुख अतिथियों की गरिमामयी मौजूदगी में उन्हें यह राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया। निर्मल पांडे स्मृति न्यास द्वारा आयोजित इस

धूमधाम से मनाया हरेली का महापर्व



धरसीवा। ग्रामीण अंचल में छत्तीसगढ़ के प्रथम त्योहार ‘हरेली’ का महापर्व अपार उत्साह, परंपरा और सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाया गया। ग्राम मोहदी में इस अवसर पर विशेष उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला, जहां ग्रामीणों ने एकजुट होकर पूरी निष्ठा के साथ इस पारंपरिक पर्व को मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत ग्राम में स्थापित छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा की विशेष पूजा-अर्चना के साथ हुई। पूजा-अर्चना के बाद गांव

चाकू अड़ाने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि ►► धरसीवा

राजधानी व उद्योग क्षेत्र में बेखौफ बदमाशों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। अब असामाजिक तत्व सरेराह राहगीरों और कारोबारियों को रोककर अवैध वसूली और शराब के लिए पैसों की मांग कर रहे हैं, ऐसा ही एक सनसनीखेज मामला सिलतरा थाना क्षेत्र के ग्राम सांकरा से सामने आया है, जहाँ बीच सड़क एक ठेकेदार और उसके साथी को धेरकर न केवल जमकर गाली-गलौज और मारपीट की गई, बल्कि पेट पर धारदार बटनदार चाकू टिकाकर जान से मारने की धमकी दी गई।

क्या है पूरा मामला: प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रार्थी सजीत कुमार बीते 10 अगस्त की शाम लगभग 7:30 बजे अपने साथी यश अहिरवार के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर बाजार जा रहे थे। जैसे ही वे ग्राम सांकरा स्थित जैन मंदिर के पास पहुंचे, रास्ते में पहले से खड़े सांकरा निवासी शीतल जमर, कमलेश बंजारे और उनके एक अन्य साथी ने उन्हें जबरन रोकने का प्रयास किया। जब सजीत ने गाड़ी नहीं रोकी और किनारे से निकलने की कोशिश की, तो तीनों बदमाशों ने दौड़कर उन्हें घेर लिया और मोटरसाइकिल की चाबी निकालकर दूर फेंक दी।

इसके बाद तीनों आरोपी प्रार्थी से शराब पीने के लिए जबरन पैसों की मांग करने लगे। सजीत ने जब पैसों न होने की बात कही, तो आरोपी आक्रोशित हो गए और विवाद करते हुए कहने लगे, तुम ठेकेदार होकर भी हमें शराब के लिए पैसों नहीं दे रहे हो। इतने में एक आरोपी ने अपनी जेब से धारदार बटनदार चाकू निकाला और सजीत के पेट पर अड़ाकर जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट शुरू कर दी। घटना के बाद पीड़ित ने

आसपास हरिभूमि 12

आसपास हरिभूमि 12

इस पर ग्राम पंचायत के सरपंच और ग्रामीणों ने एकमत होकर ग्राम सभा व ग्राम पंचायत में प्रस्ताव पारित किया और उद्योग विभाग की जमीन देने के अभिमत को सिरों से खारिज कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन जबनर उनकी आरक्षित जमीन छीनना चाहता है। जिला पंचायत सदस्य वतन चंद्राकर ने अपने पत्र में स्पष्ट किया है कि जिस 22 हेक्टेयर जमीन को उद्योग लगाने के लिए आर्बाइट किया जा रहा है,वह असल में गांव के सार्वजनिक कार्यों के लिए आरक्षित है। इस जमीन का उपयोग बहुउद्देश्यीय खेल मैदान, धान खरीदी केंद्र, ग्रामीणों के लिए आबादी जमीन, चारागाह और वृक्षारोपण जैसे अत्यंत जरूरी कार्यों के लिए किया जाना तय है। ऐसे में इस भूमि को उद्योग विभाग को देना ग्रामीणों के हितों पर सीधा कुठाराघात है। थाना प्रभारी को सौंपे गए पत्र में जानकारी दी गई है, यदि जमीन आवंटन की प्रक्रिया को तत्काल निरस्त नहीं किया गया तो 15 अगस्त की सुबह 9 बजे से नेशनल हाईवे पर अनिश्चितकालीन चक्काजाम शुरू कर दिया जाएगा।

अनुज शर्मा ‘एक्टिंग आइकॉन अवॉर्ड’ से सम्मानित



एसोसिएशन, शिमला’ की ओर से भी उन्हें विशेष सम्मान से विभूषित किया गया। समाह में उपस्थित अतिथियों एवं वरिष्ठ जनों ने कहा कि अनुज शर्मा के शानदार अभिनय और लोक परंपराओं के प्रति समर्पण ने छत्तीसगढ़ी सिनेमा को राष्ट्रीय स्तर पर एक अनूठी पहचान दिलाई है। सम्मान पर आभार व्यक्त करते हुए विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि यह केवल उनका व्यक्तिगत सम्मान नहीं है, बल्कि छत्तीसगढ़ी सिनेमा, इससे जुड़े हर छोटे-बड़े कलाकार और प्रदेश की माटी का सम्मान है। सिनेमा के 25 वर्षों के सफर को याद करते हुए उन्होंने कहा कि तमाम उतार-चढ़ावों के बावजूद दर्शकों और कलाकारों के सहयोग से यह यात्रा आगे बढ़ती रही।

सगुनी में हरेली पर की कृषि यंत्रों की पूजा

तरपोंगी। समीपस्थ गांव सगुनी स्थित गोठान में छत्तीसगढ़ का पारंपरिक लोकपर्व ‘हरेली’ बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने कृषि यंत्रों (नांगर, गैंती, कुदाली आदि) और अपने इष्ट देव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। साथ ही, पशुधन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए मवेशियों को गेहूँ के आटे की लोई (लौंदी) खिलाई गई और उपस्थित लोगों में प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस दौरान जनपद सदस्य देवेंद्र वर्मा, सरपंच रजत कश्यप, उप-सरपंच ज्ञानदास मानिकपुरी, सोसायटी अध्यक्ष रोमलाल साहू, खैरखूंट उप सरपंच कमलेश साहू, गोठान समिति के पूर्व अध्यक्ष रामेश्वर विश्वकर्मा, पूर्व सरपंच प्रतिनिधि रमेश ध्रुव, पंच प्रतिनिधि सीताराम साहू, पंच रामेश्वर साहू, पंच टेकराम यदु, पंच प्रतिनिधि खैलानन निषाद, दल्लू यादव, संतराम साहू, ठाकुरराम कनौज एवं पचकोड़ निषाद सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे।



तत्काल थाना सिलतरा पहुंचकर पूरे मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई, जिस पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की गंभीर धाराओं के तहत अपराध पंजीकृत किया।

हरेली पर बच्चों ने की गोड़ी की सवारी और मानाया त्योहार

आरंग। छत्तीसगढ़ के पारंपरिक और लोक आस्था के पहले पर्व हरेली तिहार का उल्लास इस वर्ष बच्चों में देखते ही बनता था। आधुनिकता की दौड़ से दूर ग्रामीण अंचलों से लेकर शहरी परिवेश तक, हर तरफ बांस की गोड़ी पर चढ़कर संतुलन साधते बच्चों की किलकारियां गुंज उठीं। छत्तीसगढ़ी संस्कृति और माटी से जुड़ा यह पर्व इस बार नीनिहालों की सहभागिता के कारण और भी अधिक जीवंत हो उठा। सुबह से ही बच्चों में गोड़ी चढ़ने की होड़-सी लगी रही, जिसे देखने के लिए बुजुर्गों और ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। पारंपरिक परिवेश और लोकगीतों की गूंज के बीच बच्चों ने एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में गोड़ी दौड़ का भरपूर आनंद लिया। इस दौरान न सिर्फ पारंपरिक खेलों का पुनरुत्थान हुआ, बल्कि नई पीढ़ी ने अपनी लोक संस्कृति की



जीवंत परंपरा को बेहद करीब से महसूस किया और आत्मसात किया। बुजुर्गों ने भी बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें हरेली पर्व के महत्व और खेती-किसानी से जुड़ी इस प्राचीन परंपरा के बारे में बताया। इस तरह बच्चों ने अपनी अनूठी सहभागिता से हरेली पर्व को यादगार बना दिया और यह संदेश दिया कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति आज भी नई पीढ़ी के दिलों में उतनी ही ऊर्जावान और जीवित है।



कृष्णा वर्मा ने अपने डेयरी फार्म पहुंचकर गो-माता एवं अन्य मवेशियों की पूजा-अर्चना की। उन्होंने जानवरों को तिलक लगाकर अपने हाथों से आटे की लौंदी खिलाई और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर ललितला कृष्णा वर्मा ने कहा कि हरेली केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि हमारी प्रकृति, संस्कृति और गो-धन के प्रति हमारी गहरी कृतज्ञता का प्रतीक है।



22 हेक्टेयर शासकीय भूमि के आवंटन प्रक्रिया के विरोध में उतरे रसनी के ग्रामीण

रायपुर। रायपुर जिले के आरंग क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रसनी के सार्वजनिक कार्यक्रम के लिए आरक्षित गांव की 22 हेक्टेयर शासकीय जमीन को औद्योगिक प्रयोजन के लिए जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र विभाग को सौंपने की प्रक्रिया चल रही है। इसकी जानकारी मिलते ही ग्रामीणों में भारी नाराजगी व्याप्त है। ग्रामीणों ने क्षेत्र के एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर चेतावनी दी है कि अगर आवंटन की प्रक्रिया को रोका नहीं गया, तो वे 15 अगस्त को सुबह 9 बजे नेशनल हाईवे पर चक्काजाम कर आंदोलन करेंगे। जिला जनपद सदस्य वतन चंद्राकर एवं ग्राम पंचायत सदस्यों की मौजूदगी में ग्राम रसनी में बैठक हुई। इस बैठक में 22 हेक्टेयर शासकीय जमीन को जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र विभाग को आवंटन करने विषय पर चर्चा हुई। बैठक में सरपंच सहित सभी ग्रामीणों ने इसका विरोध किया।

युवा व महिला प्रकोष्ठ ने मनाया हरेली तिहार



रायपुर। शहर जिला साहू संघ रायपुर के युवा एवं महिला प्रकोष्ठ द्वारा हरेली तिहार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नवनियुक्त पदाधिकारियों का भव्य शपथ ग्रहण समारोह तेलीबांधा तालाब में आयोजित किया गया। आयोजक युवा प्रकोष्ठ एवं महिला प्रकोष्ठ, शहर जिला साहू संघ रायपुर ने सामाजिक एकता एवं सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री अरुण साव उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ डॉ. नरेंद्र साहू ने किया। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में पूर्व कैबिनेट मंत्री ताम्रध्वज साहू, विधायक मोतीलाल साहू, विधायक पुरंदर मिश्रा, विधायक संदीप साहू, डॉ. ममता साहू, दिलीप साहू, शशिकांत साहू, दिव्या कलिहारी, निर्मला मेघराज साहू वार्ड स्तर के साहू समाज के पदाधिकारी एवं पार्षद उपस्थित रहे।

सावन महोत्सव में रिया विजेता और सीता बनी उपविजेता



रायपुर। संजय नगर बेटे बचाओ मंच का सावन महोत्सव पुरुखौती मुक्तगंग में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में मंच की महिलाएं ग्रीन परिधान में माथे में कलगी, सुना, पुतरी, पैजन, करधन से सुरुजित छत्तीसगढ़ महतारी के वेश में मुक्तगंग पहुंचे। इसी दौरान सावन कवीन तथा विविध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें रिया सिंह सावन कवीन विजेता तथा सीता निषाद उपविजेता बनीं। इसके अलावा सावन के महत्व पर प्रश्नोत्तरी में प्रथम सुनीता चंद्राकर, सावन गीत में प्रथम यशोदा वर्मा, सामान्य ज्ञान में प्रथम सुनीता चौहान विजयी रहे। सावन कवीन विजेता तथा उपविजेता को सर में मुकुट, प्रशस्ति पत्र व निफ्ट प्रदान किया। कार्यक्रम में मंच के प्रदेश अध्यक्ष ललित मिश्रा, संजना तिवारी, स्वरा मिश्रा ने श्रेष्ठ नृत्य के लिए त्रिमोती मानिकपुरी, केजई साहू, हंसा साहू, संतोषी यादव, मिनी नागचौ, ऊषा विश्वकर्मा, सोना मानिकपुरी, डायवररी साहू, चंदनी दीप, विनु डुबे, यशोदा वर्मा व रेवती साहू को पुरस्कृत किया गया।

प्रोजेक्ट धडकन, अब तक 1.18 लाख की स्क्रीनिंग

रायपुर। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे अभियान प्रोजेक्ट धडकन के तहत अब तक जिले में 1 लाख 81 हजार 4 सौ 6 बच्चों की स्क्रीनिंग तथा 14 बच्चों का मेडिकल उपचार एवं प्रबंधन तथा 18 बच्चों का निःशुल्क ऑपरेशन किया जा चुका है। इस अभियान पहल का उद्देश्य बच्चों में जन्मजात हृदय रोग की समय रहते पहचान कर उन्हें बेहतर एवं निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराना है।

11 साल सुनवाई, दोनों पक्षों के बीच समझौता, भाड़ा नियंत्रक कोर्ट पहुंचे प्रकरण

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

राजधानी रायपुर के कलेक्टोरेट स्थित भाड़ा नियंत्रक कोर्ट में लंबे समय तक सुनवाई के बाद जहां कई प्रकरणों में आदेश जारी कर निराकरण किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कुछ प्रकरण ऐसे भी हैं, जिनमें दोनों पक्षकारों के बीच आपसी समझौता भी किए जा रहे हैं। हालांकि इन समझौतों के कारण अलग-अलग हैं। इनमें किसी प्रकरण पर अधिकारी की समझाइश पर समझौता हुआ है, कोई पक्षकार कार्रवाई के भय से, तो कोई लंबी लड़ाई से थक-हारकर समझौता कर रहा है। इस तरह भाड़ा नियंत्रक कोर्ट में पहुंचने वाले कई प्रकरण फैसले के बगैर भी आपसी समझौतों से निराकरण हो रहे हैं।

भाड़ा नियंत्रक कोर्ट में मकान, दुकान के मालिकों और किराएदारों के बीच विवाद से संबंधित प्रकरणों पर सुनवाई होती है। इन विवादों के

कई सालों के बाद 139 प्रकरणों में फैसला

भाड़ा नियंत्रक कोर्ट में ऐसे सैकड़ों प्रकरण हैं, जिनके फैसले आने में सालों साल लग गए। वित्तीय वर्ष 2025-26 की बात करें तो इस अवधि में 139 प्रकरणों पर सुनवाई के बाद आदेश जारी हुए हैं। इनमें कई प्रकरण 5 से 8 वर्ष तक पुराने भी हैं। इससे पता चलता है कि कोर्ट में प्रकरण दर्ज होने से लेकर फैसला आने में कितना लंबा समय लग रहा है।

निराकरण के लिए कलेक्टोरेट स्थित भाड़ा नियंत्रक कोर्ट में पक्षकारों द्वारा प्रकरण दर्ज किए जाते हैं, जिनकी सुनवाई के लिए जिम्मेदारी डिप्टी कलेक्टर से लेकर अपर कलेक्टर रेंज तक के अधिकारियों को दी जाती है। भाड़ा नियंत्रक कोर्ट रायपुर में वर्तमान में



सुनवाई और फैसला आने में लंबा समय, आपसी समझौता आसान तरीका

मकान-दुकान मालिक एवं किराएदारों के विवाद से संबंधित प्रकरणों पर सुनवाई होने तथा फैसला आने में कई वर्ष लग जाते हैं, जिसके कारण दोनों पक्षकारों को बार-बार सुनवाई में आना पड़ता है, वहीं प्रकरण दर्ज करने से लेकर फैसला आने तक वकीलों की फीस से लेकर अन्य कई तरह के खर्च भी करना पड़ता है, जिसके कारण पक्षकारों को मोटी रकम भी खर्च करना पड़ता है। ऐसे में आपसी समझौता एक बहुत आसान तरीका है। इससे पक्षकारों के समय की बचत के साथ राशि भी खर्च नहीं करनी पड़ेगी।

400 से अधिक प्रकरण दर्ज हैं, जिनमें 200 से अधिक प्रकरण 10 से 20 साल तक पुराने हैं। ये प्रकरण लगाने वालों में कोई मकान या दुकान का मालिक है, तो कोई किराएदार है। इनके बीच मकान-दुकान का किराया नहीं देना तथा मनमाने बढ़ाना,

आदेश जारी किए जा रहे : दर्ज प्रकरणों में नियमित सुनवाई कर आदेश जारी किए जा रहे हैं। कई प्रकरणों में दोनों पक्षों की ओर से समझौता करने की मांग की जाती है। इस पर उनके बीच आपसी समझौता करकर प्रकरण निरस्त किया जाता है।

- उत्तम प्रसाद रजक, भाड़ा नियंत्रक रायपुर

खाली नहीं करना, एग्रीमेंट, मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराना, संपत्ति को नुकसान की भरपाई सहित अन्य कई तरह के विवाद की स्थिति बनती है, जिसके निराकरण के लिए वे इस कोर्ट की ओर रुख करते हैं।

इन प्रकरणों में हुए समझौते

केस:1 : विशाल राठौर ने सुमनदेवी खंडेलवार के खिलाफ वर्ष 2015 में भाड़ा नियंत्रक कोर्ट में प्रकरण दर्ज किया था। इसमें विशाल ने अपनी दुकान को किराए पर दिया था, जिसे लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद है। इस प्रकरण में कई साल तक सुनवाई के बाद अब दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया है।

केस:2 : लक्ष्मण सुहावन ने प्रमोद दाम्नी के खिलाफ वर्ष 2017 में प्रकरण दर्ज किया है। इसमें भी दुकान किराए पर दी गई है, जिसे लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद है। इस प्रकरण में भी अब समझौता हुआ है।

केस:3 : एक अन्य प्रकरण में विशाल राठौर ने लक्ष्मी इंटरप्र्राइजेस को किराए पर दुकान दी है, जिसे लेकर विवाद है। इस मामले में भी वर्ष 2015 से कोर्ट में प्रकरण दर्ज है, जिस पर समझौता हुआ है।

टेट नहीं तो पदोन्नति भी नहीं एकजुट हुए सभी शिक्षक संघ

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण शिक्षकों के ही पदोन्नत किए जाने संबंधित फैसले के बाद शिक्षक संगठनों ने मिलकर मोर्चा खोल दिया है।

शिक्षक संघर्ष मोर्चा गठित करते हुए वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति देने मांग की गयी है, शिक्षकों के बहुव्रतीक्षित विषय पर मुख्य शिक्षक संगठन को एका हो गई है। वसुंधरल बैठक में यह तय हुआ कि 18 अगस्त को शिक्षा मंत्री, शिक्षा सचिव व डीपीआई को ज्ञापन सौंपकर इस नियम का विरोध किया जाएगा। उनका कहना है कि शिक्षकों की पदोन्नति के लिए टेट की अनिवार्यता नियम के विपरीत है, इस निर्देश को वापस लिया जाए। सुप्रीम कोर्ट द्वारा 2028 तक दिए गए छूट अनुसार शिक्षकों को उनके

बिना टेट वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति एवं पूर्व सेवा से पेशन के लिए शिक्षक संघर्ष मोर्चा गठित

सभी जिलों में शिक्षकों की बैठक 16 को, इसमें बनेगी विस्तृत एगनीति

वरिष्ठता के आधार पर रिक्त समस्त पदों पर पदोन्नति दी जाए। पृथक-पृथक शिक्षक संघ के अध्यक्ष संजय शर्मा, विरेंद्र दुबे व केदार जैन ने बताया कि छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा का गठन किया गया है, जिसमें पदोन्नति सहित शिक्षक हित के समस्त मुद्दे व विषय शामिल किए जाएंगे। शिक्षक संघर्ष मोर्चा के साथ शिक्षकों की सभी जिले में 16 अगस्त 2026 को विचार समन्वय बैठक तय किया गया है।

वरिष्ठता के अनुसार व्याख्याता, शिक्षक, प्रधान पाठक पूर्व माध्यमिक शाला, प्राथमिक शाला में टीईट शर्त के बिना समस्त पदों पर पदोन्नति, पूर्ण पेशन के लिए पूर्व सेवा अवधि की गणना, वेतन विसंगति को दूर करने केन्द्रीय वेतनमान के आधार पर छत्तीसगढ़ के शिक्षकों का वेतन निर्धारण, विसंगतियुक्त नए भर्ती एवं पदोन्नति नियम को निरस्त करने से लेकर प्रशिक्षित सहायक शिक्षक, शिक्षक व व्याख्याता को बीएड के लिए विभागीय बिज कोर्स की मांग भी संयुक्त मोर्चा द्वारा की जाएगी। शिक्षकों की आवश्यकता के अन्य विषय भी शामिल किए जाएंगे। बुधवार को हुई ऑनलाइन बैठक में सभी संघों के प्रमुख पदाधिकारी संजय शर्मा, विरेंद्र दुबे, केदार जैन, सुधीर प्रधान, निरजशंकर शुक्ला, देवनाथ साहू, धर्मेश शर्मा, चंद्रशेखर तिवारी, संतोष तांडे, जितेंद्र शर्मा शामिल हुए।

8 बड़े बकायादारों के व्यावसायिक परिसर को निगम ने किया सील

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

नगर निगम जोन 8 के राजस्व विभाग ने बुधवार को बकाया राजस्व वसूली अभियान तेज करते हुए 8 बड़े टेक्स के बकायादारों के व्यावसायिक परिसरों को सील कर दिया । इन पर विगत कई वर्षों से बकाया राशि देय थी। अंतिम नोटिस के बाद भी बकाया राशि जमा नहीं करने पर निगम की टीम ने 8 व्यावसायिक परिसरों को तत्काल सीलबंद किया। सीलबंदी करते ही 2 लाख रुपए से अधिक के बड़े बकायादारों ने मौके पर ही 5 लाख 24 हजार 171 रुपए बकाया राशि का भुगतान कर दिया।

नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा के आदेश और उपायुक्त राजस्व डॉ अंजलि शर्मा तथा जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल के निर्देश पर जोन 8 राजस्व विभाग की टीम ने बड़े बकायादारों पर कड़ाई बरतते हुए सालों से बकाया राशि जमा नहीं करने वाले 8 बड़े बकायादारों के व्यावसायिक परिसरों में ताला लगाकर सीलबंदी की। सहायक राजस्व अधिकारी महादेव रक्सल ने बताया कि वीर सावरकर नगर वार्ड में 75,237 रुपए के बकायादार ओमप्रकाश तिवारी , 82,554 रुपए के बकायेदार सुरेंद्र सिंग , 2,11,633 रुपए के बकायेदार राहुल धारीलाल के व्यवसायिक परिसरों को बकाया राशि जमा नहीं करने पर सीलबंद किया गया। पंडित जवाहर लाल नेहरु वार्ड क्षेत्र के 5,02,813 रुपए के बकायादार



रामानंद अग्रवाल द्वारा सीलबंदी की कार्रवाई होते ही तत्काल 2,63,064 रुपए बकाया राशि का पार्ट पेमेंट स्थल पर किया गया, जबकि 9,93,482 रुपए के बकायादार संतोषी देवी-रामनिवास के संबंधित व्यावसायिक परिसर को बकाया राशि भुगतान नहीं किये जाने पर सीलबंद किया। जोन 8 के राजस्व विभाग की टीम ने शहीद भगतसिंह बाड अंतर्गत 1,68,613 रुपए के बकायादार रजिन्द्र सिंग सब्बरवाल द्वारा बकाया राशि अदा नहीं किये जाने पर उनके व्यवसायिक परिसर में ताला लगाकर सीलबंदी की गई। इस

तरह जोन 8 की टीम ने एक ही दिन में 8 दुकानों को ताला लगाकर सीलबंद कर दिया। वार्ड 21 के अंतर्गत 1,70,707 रुपए के बकायादार अनुराग विज और 90,984 रुपए के बकायादार तेजेन्द्र सिंग ने व्यवसायिक परिसर में सीलबंदी की कार्रवाई होते ही सम्पूर्ण बकाया राशि का धनदेशि स्थल पर ही निगम की टीम को तत्काल भुगतान कर दिया।

धरनास्थल से निकाली रैली, पुलिस ने रास्ते में रोका शासकीय महाविद्यालय के अतिथि व्याख्याताओं ने किया प्रदर्शन

अभी तक नियुक्ति नहीं

अतिथि व्याख्याता पीएचडी, नेट, सेट कल्याण संघ के प्रदेश अध्यक्ष कंचन गिलहरे, मीडिया प्रमारी रूपेन्द्र साहू ने संयुक्त रूप से कहा कि वर्तमान शैक्षणिक सत्र में शासकीय महाविद्यालयों में अतिथि व्याख्याताओं की नियुक्ति में देर हो रही है, जो कि चिंता का विषय है। 17 जुलाई 2026 को नई नीति जारी होने के बावजूद अतिथि व्याख्याताओं की नियुक्ति नहीं होने से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। संघ ने शासन से मांग की है कि प्रदेश के सभी शासकीय महाविद्यालयों में एक समान तिथि से अतिथि व्याख्याताओं की नियुक्ति सुनिश्चित की जाए।



लेकर धरना स्थल पर नारेबाजी की। धरना प्रदर्शन में अतिथि व्याख्याता, ग्रंथपाल और क्रीड़ा अधिकारियों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि उन्हें 11 माह का पूर्णकालिक अवधि तक तत्काल नियुक्ति दी जाए। इसी तरह 50 हजार रुपए प्रति माह एकमुश्त वेतन, महिला अतिथि व्याख्याताओं को सवैतनिक मातृत्व

अवकाश दिए जाने और 65 वर्ष आयु तक जाँव सुरक्षा प्रदान करने सहित पीएएसो सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा में अतिथि व्याख्याताओं को 15 से 20 अंक बोनस के रूप में दिए जाने की मांग की । प्रदर्शनकारियों ने पीएससी भर्ती में अतिथि व्याख्याताओं को आयु सीमा में छूट देने की मांग प्रमुखता से बुलंद की।

दीनदयाल आडिटोरियम से कल निकलेगी तिरंगा यात्रा

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संंध्या पर 14 अगस्त को राजधानी रायपुर के पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में विशाल तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। इस यात्रा में बड़ी संख्या में बाइक सवार केसरिया साफा धारण कर तिरंगा हाथ में लिए आकर्षण का केन्द्र बनेंगे। तिरंगा यात्रा दोपहर 3 बजे पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम से शुरू होगी, जिसका समापन भारत माता चौक गुडियारी में होगा। इस यात्रा को जन प्रतिनिधि हरी झंडी दिखाएंगे। पंडितदीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम से विशाल तिरंगा यात्रा को रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल, दक्षिण विधायक सुनील सोनी, ग्रामीण विधायक



मोतीलाल साहू, उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, रायपुर नगर निगम महापौर मीनल चौबे तथा भाजपा जिला रायपुर अध्यक्ष रमेश ठाकुर संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। रायपुर पश्चिम के विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेश मूणत के नेतृत्व में आयोजित इस विशाल तिरंगा यात्रा को लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही है।

शाम 6 बजे होगी भारत माता की आरती : तिरंगा यात्रा का मध्य समापन भारत माता चौक, गुडियारी में होगा। यात्रा के समापन के बाद 14 अगस्त की शाम 6-00 बजे भारत माता की भव्य आरती आयोजित की जाएगी। जिसमें बड़ी संख्या में नागरिक सामूहिक रूप से भारत माता की आरती में सहभागी होंगे। इस अवसर पर सांस्कृतिक संस्था लोकरंग अर्जुन द्वारा देशभक्ति गीतों की विशेष प्रस्तुति भी दी जाएगी। रायपुर पश्चिम विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेश मूणत ने कहा, हमारा तिरंगा केवल तीन रंगों का ध्वज नहीं है।

दुर्लभ ‘पथरीली त्वचा’ बीमारी पीड़ित किशोरी की हालत में सुधार, कम होने लगी कठोर हो चुकी परत



एम्स रायपुर के त्वचा रोग विभाग के नेतृत्व में एक बहु-विषयक टीम ने उसका उपचार शुरू किया। किशोरी को इस बेहद जटिल बीमारी के इलाज के बाल रोग, जेनेटिक, पोषण विशेषज्ञ, मेडिकल सोशल सर्विस ऑफिसर तथा अन्य संबंधित विशेषज्ञों को शामिल किया गया। उपचार के दौरान आवश्यक बाहरी दवाएं (टॉपिकल उपचार), पोषण संबंधी सहायता और नियमित चिकित्सकीय निगरानी की गई। बीमारी की स्थिति को बेहतर ढंग से समझने के लिए त्वचा की बायोप्सी और जेनेटिक जांच की भी योजना बनाई गई।

चिकित्सकों ने बताया कि लगातार उपचार और नियमित निगरानी के बाद बच्ची की त्वचा की स्थिति में स्पष्ट और उल्लेखनीय सुधार देखा गया है। त्वचा पर दिखाई देने वाली गंभीर परतों में कमी आई है, जिससे बच्ची और उसके परिवार को काफी राहत मिली है। चिकित्सकों के मुताबिक इलाज के दौरान इस बच्ची के पोषण की कमी प्रमुख चिंता के रूप में सामने आई थी। इलाज की अवधि के दौरान इसका विशेष ख्याल रखा जा रहा है। त्वचा रोग एवं बाल रोग विशेषज्ञ बच्ची की नियमित निगरानी कर रहे हैं।

चिकित्सा के साथ पोषण पर ध्यान देना जरूरी

दुर्लभ बीमारी से पीड़ित किशोरी के इलाज के संबंध में कार्यालयक निदेशक अशोक जिंदल ने कहा कि दुर्लभ बीमारियों के उपचार के लिए केवल बीमारी का इलाज पर्याप्त नहीं है। मरीज और उसके परिवार की चिकित्सा, पोषण, मानसिक एवं सामाजिक आवश्यकताओं पर भी ध्यान देना आवश्यक है। यह मामला दुर्लभ और जटिल बीमारियों के उपचार में एक्स रायपुर की विशेषज्ञता, बहु-विषयक समन्वय और मरीज-केंद्रित चिकित्सा व्यवस्था को दर्शाता है।

सावन महीने की अमावस्या तिथि पर बुधवार को छत्तीसगढ़ के पहले लोक पर्व हरेली तिहार का उत्साह छलका। किसानों ने कृषि कार्य में उपयोग किए जाने वाले औजारों- हल, फावड़ा, खुरपी सहित गोधन की पूजा करते हुए परंपराओं का निर्वहन किया। घरों में चीला, गुलगुला भजिया, अईरसा, चौसेला और ठेठरी-खुरमी का स्वाद लिया गया। बच्चों और युवाओं में गेड़ी चढ़ने को लेकर उत्साह देखने को मिला। यह नजारा तेंदुआ, दतरेंगा, अमलेश्वर और रायपुरा क्षेत्रों में दिखाई दिया। वहीं, दूधाधारी मठ सहित तेलीबांधा मरीन ड्राइव में जिला साहू समाज द्वारा लोगों को परंपरा से जोड़ने के लिए हरेली तिहार उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें डिप्टी सीएम अरुण साव, विधायक पुरन्दर मिश्रा, ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू और कसडोल विधायक संदीप साहू भी शामिल हुए।

रायपुर। ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों ने मुख्य द्वार पर नीम के पत्ते और खेतों में भेलवा की पत्तियां लगाकर परंपराओं का निर्वहन किया। कृषि औजारों और प्रकृति की पूजा करने के बाद, किसानों ने खेती के काम से विश्राम लिया। इसके बाद हल (नांगर), गैंती, कुदाली और फावड़े को साफ कर सुबह हल्दी, कुमकुम और चावल से कृषि उपकरणों की पूजा की तथा अच्छी फसल व परिवार की समृद्धि के लिए कुल देवता से प्रार्थना की। इससे पहले व्यंजनों का भोग कृषि औजारों और गोधन को अर्पित किया गया। इसके बाद, गाय, बैल और बछड़ों को तालाब या नदी में नहलाने के बाद उनके सींगों पर तेल लगाया गया तथा हल्दी-कुमकुम से उनका श्रृंगार किया गया। वर्षा ऋतु में बीमारियों से बचाने के लिए उन्हें औषधीय आटे की विशेष 'लौदी' खिलाई गई। इसके बाद, घरों में पारंपरिक पकवान विशेष रूप से तैयार किए गए, जिनमें गुड़ का चीला, अईरसा, चौसेला, गुलगुला भजिया और ठेठरी-खुरमी जैसे छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का सबने स्वाद लिया। इससे पहले व्यंजनों का भोग कृषि औजारों और गोधन को अर्पित किया।

राजधानी में जगह-जगह किया गया हरेली तिहार पर भव्य आयोजन, ग्रामीण अंचल में दिनभर रही पारंपरिक पर्व की धूम

कृषि औजारों की विधि-विधान से की पूजा; गेड़ी, पिट्टल और रस्सी खींच में दिखाया दम और घरों में बिखरी व्यंजनों की सुगंध



आकर्षक तरीके से युवाओं ने सजाई गेड़ी

इसके चलते ग्रामीण अंचल के लोगों ने परिवार और पड़ोसियों के बीच प्रसाद के रूप में व्यंजनों का वितरण किया। इसके बाद, हरेली का मुख्य आकर्षण बांस से तैयार की गई गेड़ी रही, जिस पर चढ़कर चलने और दौड़ने में युवाओं तथा बच्चों का बड़ा उत्साह देखने को मिला। गांव के चौक-चौराहों और मैदानों में नारियल फेंक प्रतियोगिता, फुगड़ी, खो-खो और गौरा जैसे पारंपरिक खेल आयोजित किए गए। गांवों और घरों में सुरक्षा की पारंपरिक परंपरा आज भी कायम है; मौखिकी बीमारियों से बचाने के लिए मुख्य द्वार पर नीम की पत्तियां बांधी गईं और खेतों में अच्छी पैदावार की आस में भेलवा की टहनियां गाड़ी गईं।



दूधाधारी मठ में विधिवत निभाई गई परंपरा



श्री दूधाधारी मठ में परंपरागत रूप से हरेली मनाई गई। इसमें कृषि कार्यों में उपयोग किए जाने वाले कृषि यंत्रों की साफ-सफाई करके उन्हें यथोचित स्थान पर स्थापित किया गया। पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। महामंडलेश्वर राजेश श्री महंत रामसुन्दर दास महाराज ने कहा कि हरेली छत्तीसगढ़ का पहला पर्व है। हरेली से देवउठनी तक जितने भी पर्व होते हैं, उनका शुभारंभ हरेली से होता है। सुबह कृषि यंत्रों की साफ-सफाई करके पूजा-अर्चना की गई। गोवंशियों की सेवा करने की परंपरा का नाम ही हरेली है। वृक्षारोपण करके पर्यावरण संरक्षण का कार्य किया जाता है। हरेली पूजन में विशेष रूप से नागा जी महाराज, विजय पाली, रामशुद्धि दास, रामप्रिय दास, राजीव लोचन त्रिपाठी, रामअवतार दास, राममनोहर दास, रामदेव दास और रामश्रीराम दास सहित वेदपाठी विद्यार्थी भी शामिल हुए।

‘हरेली तिहार’ की आईजीकेवी में रही धूम

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में हरेली तिहार की धूम रही। अनुसंधान प्रक्षेत्र में पारंपरिक अंदाज में हरेली उत्सव मनाया गया। मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने बैलों, हलों एवं कृषि यंत्रों की पूजा-अर्चना की। इसके बाद कृषि कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में पारंपरिक खेल प्रतियोगिता- गेड़ी दौड़, कुर्सी दौड़, फुगड़ी, पिट्टल, नारियल फेंक, रस्साकशी (रस्सा-काशी) सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कुलपति डॉ. चंदेल ने कहा कि हरेली कृषि संस्कृति और लोक परंपराओं से जुड़ा पर्व है। यह पर्व किसानों, गो-वंश, कृषि उपकरणों और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने की समृद्ध परंपरा का प्रतीक है। इस कड़ी में हरेली प्रसाद और छत्तीसगढ़ी व्यंजनों में खुरमी, ठेठरी, अईरसा, बड़ा, पीढिया, गुलगुला का वितरण किया। इस अवसर पर अधिष्ठाता डॉ. आरती गुहे ने उत्सव को यादगार बनाने में सहयोग दिया।



सिटी इवेंट

कैंसर पीड़ितों को युवाओं ने दिया जीवनदायी ‘रक्तदान का उपहार’



रायपुर। युवाओं के समर्पित संगठन ‘युवा पहल’ के तत्वावधान में आईआईएम परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर विशेष रूप से मेकाहारा अस्पताल में कैंसर से जूझ रहे मायूम बच्चों और गंभीर मरीजों को जीवनदायी रक्त उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था, जिसमें भारतीय प्रबंध संस्थान के विद्यार्थी कल्याण विंग ‘सक्षम’ ने योगदान दिया। इस भव्य रक्तदान शिविर को सफल बनाने में युवाओं ने सबसे ज्यादा सहभागिता निभाई। शिविर में युवाओं ने अभूतपूर्व उत्साह दिखाया। सावन में रक्षा के 108 मनकों की संख्या की तर्ज पर जैन-जी छात्रों ने 108 यूनिट रक्तदान किया। इस महादान के जरिए आईआईएम के युवाओं ने देश को यह सशक्त संदेश दिया कि आज की पीढ़ी न केवल पढ़ाई और करियर में आगे है, बल्कि सामाजिक सरोकारों और मानवता की सेवा में भी उतनी ही सजग और सक्रिय है।

युवाओं की सहभागिता से सफल आयोजन

विद्यार्थी कल्याण विंग ‘सक्षम’ की मुमिका सराहनीय रही। वहीं, ‘युवा पहल’ के रक्तदाताओं में प्रमुख सुनंदा शर्मा, महाराष्ट्रिय प्रणव तिवारी, संस्थापक राहुल शर्मा ने शिविर का सफल नेतृत्व किया। संस्था ने सभी समर्पित रक्तदाताओं, विद्यार्थियों और आईआईएम के प्रभारी निदेशक संजीव पराशर के प्रति उनके सतत मार्गदर्शन और अमूल्य सहयोग के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया।

पेश किया ‘अनेकता में एकता’ का जीवंत उदाहरण

आईआईएम में देशभर से आए विद्यार्थियों ने इस आयोजन में बड़-चढ़कर हिस्सा लिया। मेघालय और मिजोरम से लेकर तेलंगाना, हैदराबाद, कन्याकुमारी, गुजरात और राजस्थान सहित देश के सभी प्रांत के छात्रों ने एक साथ मिलकर रक्तदान किया। शिविर में भारत की ‘अनेकता में एकता’ की एक बेहद खूबसूरत और प्रेरणादायक झलक देखने को मिली। ‘युवा पहल’ के संस्थापक राहुल शर्मा ने बताया कि पिछले 11 वर्षों से लगातार जरूरतमंदों के लिए रक्त की व्यवस्था करने के लिए नेक कार्य में समर्पित है। प्रदेश के सबसे बड़े ब्लड बैंक मेकाहारा के मॉडर्न ब्लड बैंक के लिए युवा पहल द्वारा यह 43वां रक्तदान शिविर था। वहीं, मेकाहारा के मरीजों का जीवन बचाने के लिए यह दूसरे वर्ष आयोजित किया गया, एक बेहद सफल प्रयास रहा।

समाजसेवा, जनकल्याण एवं जरूरतमंदों की सहायता के लिए समर्पण ही लायनवाद

रायपुर। लॉयंस क्लब रायपुर सेंट्रल द्वारा संयुक्त शपथ ग्रहण एवं चार्टर दिवस समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बुधवार को अपूर्ण दिव्यांग पब्लिक स्कूल न्यू राजेंद्र नगर में हुआ। समारोह में लॉयंस, लियो सहित विभिन्न क्लबों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन रिपुदमन सिंह पुरसी ने क्लब के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि जरूरतमंदों तक सेवा पहुंचाना ही लायनवाद की मूल भावना है। शपथ अधिकारी एवं सैकंड वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन अनिल अग्रवाल ने तीनों क्लबों के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को सेवा, समर्पण एवं सामाजिक दायित्वों के निर्वहन की शपथ दिलाई तथा नई टीम को शुभकामनाएं दीं। गेस्ट ऑफ ऑनर एवं पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन तिलोकचंद बरडिया ने नवगठित टीम को समाजसेवा, जनकल्याण एवं जरूरतमंदों की सहायता के लिए समर्पण के साथ कार्य करने का संदेश दिया। वहीं, रिजल वेयरपर्सन डॉ. संयुक्ता गांधी एवं जेन वेयरपर्सन लायन प्रो. डॉ. संगीता नेरल ने स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण जैसे सेवा प्रकल्पों को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। समारोह की शुरुआत अपूर्ण दिव्यांग पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों की माफपूरा ‘वंदे मातरम्’ नृत्य प्रस्तुति से हुई।



लायन ऑफ दि ईयर सम्मान से नवाजा

चार्टर दिवस के अवसर पर चार्टर प्रेसिडेंट लायन विपिन भाई कोठारी एवं चार्टर मेंबर लायन तिलोकचंद बरडिया का सम्मान किया गया। वर्षभर की उत्कृष्ट सेवा एवं योगदान के लिए लायन राजेश चौरसिया को लायन ऑफ दि ईयर सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में लियो क्लब रायपुर सेंट्रल एवं लायन क्लब रायपुर रोवर के युवा सदस्यों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। मंच संचालन लायन राहुल जनबंदु ने किया, जबकि अंत में क्लब सचिव लायन राहुल अग्रवाल ने अतिथियों, सदस्यों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह सौहार्दपूर्ण एवं सेवाभावी वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

संस्कृति विभाग के सहयोग से ‘आजादी की धुन’ समारोह का भव्य आयोजन

100 युवा कलाकारों ने लाइव बैंड से सुनाई आजादी की धुन, देशभक्ति के गीतों ने बांधा समां

कारनर न्यूज

रायपुर। राजधानी का पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम आजादी की धुन से गूंज उठा। समारोह में प्रदेश के अलग-अलग अंचलों से आए 100 युवा कलाकारों ने विभिन्न वाद्ययंत्रों से एक साथ लाइव बैंड प्रस्तुति देकर देशभक्ति के गीत-संगीत से समां बांध दिया। बुधवार की शाम ऑडिटोरियम में संस्कृति विभाग के सहयोग से ‘आजादी की धुन’ समारोह का आयोजन किया गया।

इस समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। स्वतंत्रता दिवस से पूर्व आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में देशभक्ति के गीतों व धुनों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को राष्ट्रप्रेम के भाव से सराबोर कर दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित ‘आजादी की धुन’ देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने और स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, तपस्या एवं बलिदान को स्मरण करने का सुनहरा अवसर है। ‘आजादी की धुन’ हमें



समारोह में इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष मोना सेन, छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला, स्काउट-गाइड के चेयरमैन इंद्रजीत सिंह खालसा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, कलाकार और बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

इतिहास के गौरव का स्मरण, वर्तमान के कर्तव्यों का बोध और उज्ज्वल भविष्य के निर्माण का संकल्प दिलाती है। छत्तीसगढ़ में पहली बार 100 युवा कलाकारों द्वारा एक साथ

अलग-अलग वाद्ययंत्रों पर देशभक्ति की धुनों की प्रस्तुति अपने आप में अनूठा प्रयास है। उन्होंने इस अभिनव आयोजन के लिए संस्कृति विभाग और सभी कलाकारों को बधाई दी।

देशभक्ति के गीतों ने हमारे क्रांतिकारियों का मनोबल बढ़ाया : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा कि संगीत में भावनाओं को जागृत करने और लोगों को एक सूत्र में जोड़ने की अद्भुत शक्ति होती है। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में भी गीतों, कविताओं और नारों ने देशवासियों के भीतर स्वाधीनता की चेतना जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। देशभक्ति के गीतों ने कठिन से कठिन परिस्थितियों में हमारे क्रांतिकारियों और सेनानियों का मनोबल बढ़ाया तथा करोड़ों भारतीयों को स्वतंत्रता के लक्ष्य के लिए एकजुट किया। आज भी जब देशभक्ति की धुनें सुनाई देती हैं, तो मन में राष्ट्र के प्रति गर्व और समर्पण का भाव स्वतः जागृत हो उठता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वतंत्रता संग्राम के अजर सेनानियों का स्मरण करते हुए कहा कि देश की स्वतंत्रता हमें असंख्य बलिदानों के बाद प्राप्त हुई है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, सरदार वल्लभभाई पटेल, वीर सावरकर, बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर सहित असंख्य राष्ट्रपूज्यकों और स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष ने स्वतंत्र भारत की नींव रखी। आज हम स्वतंत्र वातावरण में अपने सपनों को साकार कर पा रहे हैं, तो इसके पीछे हमारे पूर्वजों की तपस्या, संघर्ष और बलिदान है।

समाज लाइव

सिख समाज ने की शहीद भगत सिंह चौक की सफाई



रायपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले महान क्रांतिकारी शहीद-ए-आजम भगत सिंह को श्रद्धापूर्वक याद करने की तैयारी छत्तीसगढ़ सिख समाज ने शुरू की है। इस कड़ी में बुधवार को शहीद भगत सिंह चौक की साफ-सफाई की गई। बारिश की वजह से चौक परिसर में उग आई झाड़ियों को काटा गया और घास को हटाकर परिसर की सफाई की गई। साथ ही शहीद भगत सिंह की प्रतिमा स्थल सहित प्रतिमा की विशेष रूप से सफाई करके उसे स्वतंत्रता दिवस पर श्रद्धांजलि के लिए तैयार किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ सिख समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिंघोत्रा ने कहा कि 15 अगस्त केवल एक राष्ट्रीय पर्व नहीं, बल्कि उन असंख्य वीरों और शहीदों को याद करने का दिन है, जिन्होंने अपना वर्तमान हमारे स्वतंत्र भविष्य के लिए कुर्बान कर दिया। शहीद भगत सिंह ऐसे ही महान क्रांतिकारी थे, जिनके साहस, त्याग और देशभक्ति ने भारत में स्वतंत्रता संग्राम को नई ऊर्जा दी। समाज ने लोगों से अपील की है कि स्वतंत्रता दिवस पर अपने-अपने घरों एवं संस्थानों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ मुख्यमंत्री निवास के पास गौरव पथ स्थित शहीद भगत सिंह चौक पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करें। देश की स्वतंत्रता के लिए दिए गए उनके अमूल्य बलिदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करें।

15 अगस्त को चौक पर मनाया जाएगा उत्सव

छत्तीसगढ़ सिख समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिंघोत्रा ने कहा कि 15 अगस्त केवल एक राष्ट्रीय पर्व नहीं, बल्कि उन असंख्य वीरों और शहीदों को याद करने का दिन है, जिन्होंने अपना वर्तमान हमारे स्वतंत्र भविष्य के लिए कुर्बान कर दिया। शहीद भगत सिंह ऐसे ही महान क्रांतिकारी थे, जिनके साहस, त्याग और देशभक्ति ने भारत में स्वतंत्रता संग्राम को नई ऊर्जा दी। समाज ने लोगों से अपील की है कि स्वतंत्रता दिवस पर अपने-अपने घरों एवं संस्थानों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ मुख्यमंत्री निवास के पास गौरव पथ स्थित शहीद भगत सिंह चौक पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करें। देश की स्वतंत्रता के लिए दिए गए उनके अमूल्य बलिदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करें।

सिटी लाइव

100 स्कूली बच्चों ने खेल-खेल में सीखे हाथ धोने के 7 तरीके



रायपुर। रोटरी क्लब ऑफ रायपुर कॉस्मो डिवाइज ने स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया। बुधवार को यह आयोजन हैप्पी स्कूल, टेमरी में किया गया। यह कार्यक्रम बच्चों में स्वच्छता की आदतें विकसित करने के उद्देश्य से 'हैंड हाइजीन एवं सैनिटेशन अवयरनेस वर्कशॉप' के रूप में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता रोटेरियन वेदिका सिंघानिया ने बच्चों को स्वास्थ्य, हाथ धोने के सही तरीकों और स्वच्छता के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने एक आकर्षक प्रदर्शन के माध्यम से बच्चों को सही तरीके से हाथ धोने के 7 चरण सिखाए।

वेदिका ने बताया कि कैसे केवल हाथ साफ रखकर कई गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने बेहद उत्साह के साथ भाग लिया और सवाल भी पूछे। स्वच्छता की इस आदत को दैनिक जीवन में शामिल करने के लिए क्लब की ओर से 100 बच्चों को हैंडवॉश वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान बच्चों की उत्सुकता और सक्रिय भागीदारी देखते बनी। कार्यक्रमों का संयोजन रोटेरियन वेदिका सिंघानिया ने बच्चों को स्वास्थ्य, हाथ धोने के सही तरीकों और स्वच्छता के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने एक आकर्षक प्रदर्शन के माध्यम से बच्चों को सही तरीके से हाथ धोने के 7 चरण सिखाए।

कैंपस लाइव

एक किट और एक मुस्कान, आने वाले कल के लिए बेहतर पहचान



रायपुर। ह्यूमन वेलफेयर फाउंडेशन की ओर से अल-फलाह टॉवर में बच्चों के लिए स्कूल किट वितरण का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य सभी जरूरतमंद बच्चों की शैक्षणिक जरूरतों में सहयोग करने के साथ उनका हौसला बढ़ाना था। एक किट और एक मुस्कान, आने वाले कल के लिए भी बेहतर पहचान थीम पर आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनाब शाहिद साहब तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में अमीर-ए-हल्का छत्तीसगढ़ जनाब शफीक साहब उपस्थित रहे। इसके अलावा जनाब शफीक साहब (अध्यक्ष, मुस्लिम इंस्टीट्यूट अल फोरम), जनाब फैसल रिजवी साहब (अध्यक्ष, बार काउंसिल रायपुर), जनाब इब्राहीम साहब तथा जनाब मुबीन खान ने कार्यक्रम में शिरकत की। बच्चों को स्नेह के साथ संबोधित किया।

ह्यूमन वेलफेयर फाउंडेशन ने शुक्रिया अदा किया

इसके बाद जनाब शफीक साहब, जनाब शाहिद साहब, जनाब शफीक साहब, जनाब इब्राहीम साहब तथा जनाब मुबीन खान साहब के करकमलों द्वारा बच्चों को स्कूल किट वितरित की गई। किट में स्कूल बैग, टिफिन, कॉपियां, पेन्सिल तथा अन्य जरूरी शैक्षणिक सामग्री शामिल थीं। रायपुर में कुल 70 बच्चों को स्कूल किट प्रदान की गई। लाभार्थी बच्चों की सूची संबंधित विद्यालयों की ओर से उपलब्ध कराई गई थी। किट प्राप्त करने के बाद बच्चों के चेहरे पर मुस्कान दिखाई दी। उनकी खुशी इस बात का खूबसूरत इजहार थी कि छोटी-सी मदद भी किसी बच्चे के लिए बड़ी उम्मीद और बेहतर भविष्य का जरिया बन सकता है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर लोगों में उत्साह, स्टेशनरी, फैशन हाउसेस और फैसी गिफ्ट शॉप तिरंगे से सजे

देशभक्ति के रंग में रंगा बाजार : झंडा, स्टीकर पिन ब्रोच, तिरंगा प्रिंट ड्रेस की बढ़ी डिमांड

स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए लोगों में जबर्दस्त उत्साह का माहौल है। बाजार देशभक्ति के रंग में रंग गया है। शहर के स्टेशनरी, फैशन हाउसेस और फैसी गिफ्ट शॉप पर तिरंगे, आकर्षक बैच और तिरंगा ड्रेस की खरीदारी करने लोगों की भीड़ उमड़ रही है। स्कूल, शासकीय-निजी कार्यालयों में होने वाले समारोह और हर घर तिरंगा अभियान के चलते बाजारों में तिरंगे झंडे और सजावटी सामानों में झालर, रिबन, इलेक्ट्रॉनिक्स लाइट्स, आउटफिट की भारी मांग हो रही है।



स्कूलों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी
छात्राओं और युवतियों के बीच तिरंगे की तरह दिखने वाले बुपट्टों की मांग अधिक है। स्कूलों में आयोजित कार्यक्रमों के लिए बच्चों के साथ परिजन खरीदारी करने निकल रहे हैं। कई लोगों ने वाहनों में भी तिरंगा झंडा लगा लिया है। स्कूलों में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की वजह से कुछ लोग बच्चों के लिए तिरंगा ड्रेस भी खरीद रहे हैं। हर एक सामान खासतौर पर तिरंगे रंग का मिल रहा है, जिसमें बैच, तिरंगा स्टैट, वॉच, झूमर, लड़ियां, टी-शर्ट और कई प्रकार की कैप और पगड़ियां भी बाजार में उपलब्ध है।

10 रुपए से लेकर 500 रुपए तक के सजावटी सामान

स्वतंत्रता दिवस को देखते हुए सिक्क, खादी के तिरंगे, केसरिया, सफेद, हरा कुर्ता, जैकेट व टोपी की हर वर्ग में डिमांड हो रही है। खादी हैटलूम केंद्र पर भी लोग बड़ी संख्या में खरीदारी करने पहुंच रहे हैं। वहीं, बाजार में 10 रुपए से लेकर 500 रुपए तक कीमत में तिरंगे झंडे और अन्य सजावटी सामान उपलब्ध हैं। स्वतंत्रता दिवस के लिए विशेष तौर पर खादी वस्त्रों में केसरिया, सफेद, हरे रंग की जैकेट, कुर्ता और टोपी, साड़ी, सलवार शूट की विशेष मांग हो रही है।

पुलिस परेड गाउंड में तैयारी पूरी, समारोह का आज फुल ड्रेस रिहर्सल

शहर का पुलिस परेड गाउंड को स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए सजा दिया गया है। पुलिस परेड गाउंड पर पिछले 15 दिनों से समारोह के लिए परेड अभ्यास कर रहे पुलिस व सेना के दल और एनसीसी, स्कूली छात्र-छात्राएं गुरुवार को समारोह को लेकर फाइन तैयारी यानी फुल ड्रेस रिहर्सल सुबह 7 बजे से करेंगे। समारोह से पहले परेड में भाग लेने वाले सेना के जवानों का दल और स्कूली छात्र-छात्राएं अपनी फाइनल तैयारी की झलक प्रस्तुत करेंगे।



रायपुर। शहर का गोलबाजार, पुरानी बस्ती रोड और शॉपिंग मॉल्स तिरंगे के रंग में सज गए हैं। यहां पर स्टेशनरी, फैशन हाउसेस और फैसी गिफ्ट शॉप पर तिरंगे झंडे हर साइज में उपलब्ध हैं, जो घरों व कार्यालयों के लिए खरीदे जा रहे हैं। गोलबाजार स्थित स्टेशनरी दुकान के संचालक ने आशीष गुप्ता ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस को लेकर तिरंगे झंडे, आकर्षक बैच, युवाओं व बच्चों के लिए तिरंगे डिजाइन वाले रिस्ट-बैंड, स्टीकर और पिन ब्रोच, फैसी ड्रेस, तिरंगा प्रिंट टी-शर्ट और विशेष सांस्कृतिक वस्त्रों का कलेक्शन रखा गया है। चूंकि, 15 अगस्त की सुबह से ही समारोह आयोजन होता है, इसलिए सप्ताह



भर पहले से ही लोग देश भक्ति के रंग में रंगने के लिए तिरंगे झंडे, आकर्षक बैच, तिरंगे डिजाइन वाले रिस्ट-बैंड, स्टीकर और पिन ब्रोच, फैसी ड्रेस, तिरंगा प्रिंट टी-शर्ट खरीद रहे हैं। लोग झंडे, हैंडबैंड, रिबन और टोपी आदि की खरीदारी कर रहे हैं। बच्चे स्वतंत्रता दिवस को लेकर खासे उत्साहित दिख रहे हैं। स्वतंत्रता दिवस पर स्कूलों व कॉलेजों के साथ शहर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को देखते हुए बाजार भी पूरी तरह से सज गया है। बाजार में हर तरफ तिरंगे ही तिरंगे नजर आ रहे हैं।

जीवन की शक्ति पहचानें, समय रहते सही दिशा में करें पुरुषार्थ : साध्वी मंजुलाश्री

रायपुर। आत्म उत्क्रांति आध्यात्मिक चातुर्मास-2026 के अंतर्गत दादाबाड़ी में अध्यात्म सार ग्रंथ का पाठ का आयोजन किया गया। बुधवार को अध्यात्म सार ग्रंथ का पाठ करते हुए साध्वी मंजुलाश्री म.सा. ने कहा कि व्यक्ति यदि अपनी ताकत को सही समय पर नहीं पहचानता तो जीवन की उलझनें बढ़ती जाती हैं। कई बार मनुष्य को यह भी समझ नहीं आता कि जीवन में उसे करना क्या है। साध्वीश्री ने कहा कि हम अक्सर उन विषयों के पीछे भागते रहते हैं, जो हमें गलत दिशा में ले जाते हैं। हमें पक्षियों से सीखना चाहिए, जो अपने गंतव्य की ओर सीधा मार्ग अपनाते हैं। इसी प्रकार ट्रेन भी निर्धारित मार्ग और स्टॉपेज के अनुसार चलकर समय पर अपने गंतव्य तक पहुंचती है। मनुष्य को भी जीवन का लक्ष्य तय कर उसी दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन में छोटा सा भी पुण्य हमारे मार्ग को बदल सकता है। पुण्य के अभाव में जीवन गलत दिशा की ओर बढ़ सकता है, जबकि पुण्य का संघर्ष आत्मकल्याण का कारण बनता है। लेकिन, कर्म और धर्म करने के समय मनुष्य यह सोचकर बैठ जाता है कि अभी तो बहुत समय है। यही सबसे बड़ी भूल है। साध्वीश्री ने कहा कि किसी उचित समय या व्यक्ति का इंतजार करने के बजाय, जो अच्छा कार्य करना है, उसे तुरंत शुरू करना चाहिए। जीवन में मिले समय और सामर्थ्य का सदुपयोग करते हुए धर्म, संयम और पुरुषार्थ के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए। जीवन को किस दिशा में ले जाना है, यह निर्णय हमारे अपने हाथ में है।



आत्म उत्क्रांति
आध्यात्मिक
चातुर्मास-2026
के अंतर्गत
दादाबाड़ी में
अध्यात्म सार
ग्रंथ का पाठ

16 अगस्त को होगी सम्मेलन शिखर भाव यात्रा

आत्म उत्क्रांति आध्यात्मिक चातुर्मास-2026 के अंतर्गत श्री ऋषभदेव मंदिर ट्रस्ट एवं श्री आत्म उत्क्रांति आध्यात्मिक चातुर्मास समिति की ओर से बाल संघपति एवं श्री सम्मेलन शिखर भाव यात्रा का आयोजन 16 अगस्त रविवार को किया जाएगा। यह आयोजन परम पूज्य कैवल्यधाम तीर्थ प्रेरिका प्रवर्तिनी महोदया निपुणा श्री म.सा. की सुशिक्षा एवं प्रवचन प्रभाविका परम पूज्य मंजुला श्री महाराज साहब की निश्राम में होगा। इस आयोजन की विशेषता यह है कि 5 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं को संघपति बनने का अवसर मिलेगा।

श्री सम्मेलन शिखर भाव यात्रा का लाभ लेने की अपील

इस अवसर पर श्री ऋषभदेव मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष विजय कांकरिया, कार्यकारी अध्यक्ष अमर कुमार भंसाणी, आत्म उत्क्रांति आध्यात्मिक चातुर्मास-2026 समिति के अध्यक्ष बसंत लोढ़ा, महासचिव मुकेश निमाणी, सह-सचिव अभिषेक गोलख एवं कोषाध्यक्ष चिंतन मालू ने समाज के श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में सहभागी बनकर बाल संघपति एवं श्री सम्मेलन शिखर भाव यात्रा का लाभ लेने की अपील की है।

जिसने बचपन में भक्ति नहीं की, वह बुढ़ापे में कभी भक्ति नहीं कर सकता



रायपुर। आज का प्राणी गलती मानने को तैयार नहीं होता। भय से जीव भगवान की भक्ति करता है। और जिसके अंदर भय नहीं है, उस जीव का नाश हो गया। जिसने बचपन में भक्ति नहीं की, वह बुढ़ापे में कभी भक्ति नहीं कर सकता। श्री राम कथा तो गंगा है, उसमें समाहित होकर देखो। भगवान से डर लगे तो किसी और से डरने की जरूरत नहीं है। आज का समय तो छप्पन भोग वाला है। यदि प्रेम नहीं है, तो क्या भगवान छप्पन भोग स्वीकारेंगे? यह बात मैक कॉलेज ऑडिटोरियम संत का कॉलोनी में जारी श्रीराम कथा में संत श्री शंभुशरण लाजा जी महाराज ने कही। जीवन दर्शन को श्रीराम कथा से जोड़कर कई सारगर्भित बातें आज संत शंभुशरण महाराज ने कथा श्रोताओं के सामने रखीं। बताया कि आज लोग अपनी गलती नहीं स्वीकारते हैं। देवी अहिंसा ने गलती स्वीकार की थी, इसलिए भगवान राम ने उनका उद्धार किया। पाप और पुण्य दोनों छिपाने से बढ़ते और सामने लाने से घटते हैं।

इसमें कोई ज्यादा सीखने की जरूरत नहीं

महाराज ने बताया कि रामकथा गंगा के समान है। पुराने लोग जब स्नान करते थे, तो 'हर-हर गंगे' बोलते थे, लेकिन आजकल यह परंपरा छूटने लगी है। ऐसा माना जाता है कि स्नान करते समय 'हर-हर गंगे' का स्मरण करने और गंगा में डुबकी लगाने से पाप व कष्ट मिट जाते हैं। इसी प्रकार, यदि आप श्रीराम कथा में सच्चे मन से गोते लगा लें, तो आपके सभी दुख दूर हो जाएंगे। हर प्राणी को अपना प्राण प्रिय होता है, क्योंकि उसमें राम बसते हैं। एक ओर सत्य हो और दूसरी ओर समर्पण हो तो सब, जैसे भगवान राम माई लक्ष्मण के मन की बात जान गए थे कि वे जनकपुर देखना चाहते हैं।



शहर में सावन उत्सव को महिलाएं बना रही यादगार, अपनी खुशी के साथ ही बढ़ा रही सामाजिक सरोकार

हरित परिधान और श्रृंगार में बुजुर्गों के साथ बिताया समय नेपाली समाज की महिलाओं ने भी सेलिब्रेट किया उत्सव



कार्नर न्यूज

रायपुर। सावन शुरू होने के साथ ही अलग-अलग समूह की महिलाओं के बीच हरित परिधान और श्रृंगार में सावन को सेलिब्रेट करने का सिलसिला बुधवार को भी जारी रहा। महिलाओं ने हरेली अमावस्या के पावन अवसर पर मंजू करवा संघटन के साथ मिलकर सुन्दर नगर स्थित वृद्धाश्रम में भी उत्साह के साथ सावन को सेलिब्रेट किया। इस दौरान वृद्धाश्रम में रहने वाली महिलाओं को भी इस यादगार पल का हिस्सा बनाया। संघटन की सदस्य खाने-पीने का सामान साथ लेकर पहुंची और बुजुर्गों के साथ समय बिताते हुए उनको भजन सुनाया। इस सभी बुजुर्गों ने सुनने के बाद प्रसन्नता जाहिर की। मंजू करवा संगठन हर अमावस्या को किसी ना किसी संस्था में जाकर सेवा देते हुए बुजुर्गों के बीच खुशी बांटने का प्रयास करता है।

बुजुर्ग महिलाओं को बनाया उत्सव का हिस्सा

हर साल सेवा देने वाले संगठन ने इस सावन को भी यादगार बनाने का प्रयास किया। महिलाओं ने बताया कि इस आयोजन का मकसद उदास चेहरे पर हंसी लाना और अपनोपन की भावना से उन्हें जोड़ते हुए भावात्मक संबल देना है। संगठन की अध्यक्ष मंजू करवा ने बताया कि इस सावन की वृद्धाश्रम में रहने वाली महिलाओं को इस आयोजन का हिस्सा बनाने का प्रयास किया गया, जिससे वहां उत्सव का माहौल बन गया। कार्यक्रम में गीत-संगीत के साथ भजनों की प्रस्तुतियां दी गईं। हर साल की तरह इस बार भी महिलाओं में सेल्फी और फोटो शूट का क्रेज देखने को मिला। महिलाओं के साथ-साथ बच्चों ने भी बुजुर्गों के साथ समय बिताया।

तेलीबांधा स्थित एक होटल में मनाया उत्सव

श्री पशुपतिनाथ नेपाली समाज की महिलाओं ने बुधवार को तेलीबांधा स्थित एक होटल में सावन उत्सव को सेलिब्रेट किया। सावन श्रृंगार और हरित परिधान में उत्सव में शामिल हुई समाज की महिलाओं ने आयोजन को यादगार बनाने का सफल प्रयास किया। इसमें समाज से जुड़ी महिलाओं सहित बच्चों ने भी उत्साह से भाग लिया। विभिन्न प्रकार के गेम्स एवं मिसेज इवनिंग कार्यक्रम में सबने मरपूर आनंद उठाया। महिलाओं द्वारा सावन उत्सव में समाज की सभी महिलाओं और बच्चों को उत्सव में शामिल होने का अवसर दिया।



सिटी स्पोर्ट्स

संभाग स्तरीय शालेय जुडो में जुटे जूनियर खिलाड़ी



भिलाई। संभाग स्तरीय शालेय जूडो प्रतियोगिता का आयोजन जनता उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में किया गया। प्रतियोगिता में दुर्ग, राजनांदगांव, बालोद, खैरागढ़ एवं बेमेतरा जिले के खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में 74 बालक, 57 बालिका जुडो खिलाड़ी तथा 24 ऑफिशियल ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के दौरान ऑफिशियल के रूप में अरुण द्विवेदी (जूडो रेफरी एवं अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश जुडो संघ), प्रमोद तिवारी, संतोष जयेल, राज, श्रद्धा कुमारी, डिगेश्वरी साई, अरुणा बाई, राज्य रेफरी राज सिंह, योगेंद्र, तनुरानी ने मुख्य भूमिका निभाई। चयनित अंडर-14 वर्ष बालिका में नीलम दुर्ग, तुषा राजनांदगांव, तान्या दुर्ग, ज्योतिका दुर्ग,श्रावणी दुर्ग, दिव्या राजनांदगांव, प्रगति राजनांदगांव, एनपी ईश्वरी राजनांदगांव, दुर्गा चौबे दुर्ग, स्वाति दुर्ग, गामिनी बालोद, वैदिका बालोद, जिया बालोद, लिखेश्वरी बालोद, खुशबू बालोद, अंडर-14 वर्ष बालक में प्रदीप बालोद,घनश्याम बालोद,जयंत बेमेतरा,तेजस दुर्ग, यशराज दुर्ग,अनुज बालोद,दिशांत बालोद, अंडर-17 वर्ष बालक में लवकुश दुर्ग,आर्येन दुर्ग, सत्यम राजनांदगांव, अभय दुर्ग,सौम्य बालोद, विनय बालोद, जतिन राजनांदगांव, विनायक राजनांदगांव और सुयश दुर्ग शामिल हैं।

संभाग स्तरीय स्कूल शतरंज स्पर्धा 23 को



दुर्ग। छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के निर्देशन में जिला संघ द्वारा जी एच रायसोनी की स्मृति में एक दिवसीय संभाग स्तरीय स्कूल शतरंज स्पर्धा का आयोजन 23 अगस्त को खालसा पब्लिक स्कूल दुर्ग के सभागार में आयोजित है। जिसमे अंडर 7, 9,11,13,15,17 एवं अंडर 19 वर्ग के स्कूल शतरंज प्रतिभागी भाग ले सकते हैं। स्पर्धा में संभाग के अंतर्गत आने वाले राजनांदगांव, कबीरधाम, बेमेतरा, मानपुर मोहला, बालोद, खैरागढ़ एवं दुर्ग जिले के स्कूली शतरंज खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। स्कूली बच्चों में छिपी प्रतिभा एवं दिमागी खेल शतरंज को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जी एच रायसोनी कल्चर फाउंडेशन एवं कल्पना प्रकाश फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित इस स्पर्धा में कुल 50 हजार रुपए नगद राशि के अलावा विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं भाग लेने वाले समस्त प्रतिभागियों को मेडल एवं ई सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा।

अंडर 19,17, 15 एवं अंडर 13 वर्ग के बालक एवं बालिका वर्ग में प्रथम स्थान तीन हजार रुपए एवं ट्रॉफी, द्वितीय स्थान दो हजार रुपए एवं ट्रॉफी तृतीय स्थान एक हजार रुपए एवं ट्रॉफी चतुर्थ स्थान मोमेंटो तथा अंडर 11,9 एवं अंडर 7 के बालक एवं बालिका वर्ग में प्रथम स्थान ट्रॉफी, द्वितीय स्थान ट्रॉफी तृतीय स्थान ट्रॉफी एवं चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को मोमेंटो प्रदान किया जाएगा। बेस्ट स्कूल को दो हजार रुपए नगद पुरस्कार दिया जाएगा। इस स्पर्धा के आधार पर सभी वर्गों के बालक एवं बालिकाओं में शीर्ष 4 स्थान प्राप्त करने वाले कुल 56 खिलाड़ी आगामी राज्य स्तरीय स्कूल शतरंज स्पर्धा में खेलने की पात्रता रखेंगे। स्पर्धा में प्रवेश की अंतिम तिथि 19 अगस्त तक निर्धारित है। स्पर्धा में प्रवेश हेतु फीडे आर्बिटर अनिल शर्मा से संपर्क कर सकते हैं। स्पर्धा के मुख्य निर्णायक इंटरनेशनल आर्बिटर रंकी देवांगन एवं सहायक निर्णायक फीडे आर्बिटर अनिल शर्मा होंगे। यह जानकारी जिला शतरंज संघ दुर्ग के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत सचिव तुलसी सोनी ने दी।

राज्य स्तरीय यूथ एथलेटिक्स प्रतियोगिता 17 से



रायपुर। बिलासपुर जिला एवं छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ के द्वारा राज्य स्तरीय यूथ एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन 17 एवं 18 अगस्त को बहतराई एथलेटिक्स स्टेडियम बिलासपुर में आयोजित है। यह प्रतियोगिता 18 वर्ष के खिलाड़ियों के लिए आयोजित होगी। जिसमें बालक/ बालिका दोनों शामिल होंगे। हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों का जन्म 1 जनवरी 2009 से 31 दिसंबर 2010 के बीच होना अनिवार्य होगा। जिसमें 100, 200, 400, 1000 मीटर दौड़, 110 मीटर हर्डल्स, हाई जम्प, लांग जम्प, शॉट पुट, डिसकस थ्रो, जेवलिन थ्रो,5 किलो मीटर वॉक जैसे इवेंट शामिल है।

बदलती जीवन शैली के चलते बिगड़ रही है सेहत, बदल लें अपनी दिनचर्या

रात में जल्द सोने और सुबह जल्द जगाने की बना लीजिए आदत, सेहत का भरपूर खजाना होगा आपके बस में

आधी रात तक मोबाइल पर लगे रहना और देर से उठने की आदत ने ज्यादातर लोगों की सेहत को खराब कर दिया है। लेकिन क्या आप जानती हैं कि जल्दी सोने और जल्दी उठने की आदत डालकर आप खुद को हेल्दीक रख सकती हैं।

आजकल की भागती दुनिया में, जहां देर रात तक काम करना या सोशल मीडिया पर लगे रहना काफी आम हो गया है, वहां जल्दी सोना और सुबह जल्दी उठना पुरानी परंपरा जैसा लगता है। लेकिन क्या आपको पता है कि यह सिर्फ एक अच्छी आदत नहीं हैं, बल्कि आपके फिजिकल और मेंटल हेल्थ की चाबी है? जब हम प्रकृति के नियम, यानी सूरज के उगने और ढलने के चक्र के अनुसार चलते हैं, तब हमारा शरीर खुद को अच्छी तरह से ठीक और तैयार कर पाता है। आइए इस आर्टिकल के माध्यम से वेट लॉस एक्सपर्ट और न्यूट्रिशनिस्ट वाणी बता रही हैं कि जल्दी सोने और जल्दी उठने की आदत आपकी जिंदगी को कैसे बदल सकती है?



वेट लॉस में मददगार

जल्दी सोने से शरीर में इंसुलिन और कोर्टिसोल जैसे हार्मोन बैलेंस रहते हैं, जो फैट बर्न करने में मददगार होते हैं। देर रात तक जागने से भूख बढ़ाने वाले हार्मोन एक्टिव होते हैं और मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है। जब आप समय पर सोते हैं, तब आपका शरीर एनर्जी का सही इस्तेमाल करता है और फैट कम जमा करता है, जिससे वजन नेचुरली कम होता है।

हार्मोनल बैलेंस में करता है मदद

हार्मोन रात में, खासकर आधी रात से पहले, खुद को रिसेट और रिपेयर करते हैं। सही तरीके नींद से एस्ट्रोजन, प्रोजेस्टेरोन, इंसुलिन और थायराइड जैसे हार्मोन का बैलेंस बिगड़ सकता है। यह मूड स्विंग्स, PCOS और थकाऊ जैसी समस्याओं का कारण बन सकता है। जल्दी सोने से आपके हार्मोन प्रकृति की लय के साथ तालमेल में रहते हैं।

आपके हाथ पर भी है मंगल रेखा तो आपको नहीं होगी धन की कमी



मंगल रेखा का भाग्य रेखा से संयोग बहुत ही शुभ माना जाता है। हनुमान जी को मंगल ग्रह के इष्ट देव का रूप माना जाता है। रामभक्त हनुमानजी ने अपनी भक्ति के बल पर वानर सेना के साथ सेतु बनाकर लंका पर विजय प्राप्त की थी।

हाथ की कुछ रेखाएं शुभ मानी जाती हैं तो कुछ अशुभ। हाथ की रेखाओं के माध्यम से ही व्यक्ति के भविष्य की जानकारी मिलती है। ऐसी ही महत्वपूर्ण रेखाएं हैं मंगल रेखा और भाग्य रेखा। मंगल रेखा जीवन रेखा के समानांतर होती है। वहीं मंगल रेखा का भाग्य रेखा से संयोग बहुत ही शुभ माना जाता है। हनुमान जी को मंगल ग्रह के इष्ट देव का रूप माना जाता है। रामभक्त हनुमानजी ने अपनी भक्ति के बल पर वानर सेना के साथ सेतु बनाकर लंका पर विजय प्राप्त की थी। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार यदि किसी व्यक्ति के हाथ में मंगल का चिन्ह यानि हनुमानजी का चिन्ह है तो शनि की सादे साती उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकती है। आइए जानते हैं हाथ में मंगल रेखा किस प्रकार का फल देती है।

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार मंगल रेखा का हथेली में होना अच्छा माना जाता है। मंगल रेखा से

कोई रेखा निकलकर भाग्य रेखा में मिले तो ऐसा जातक खूब लाभ पाता है। उसे जीवन में खूब पैसा और जमीन-जायदाद मिलती है।

यदि किसी व्यक्ति के हाथ में जीवन रेखा के साथ एक से अधिक मंगल रेखा हो अर्थात पहली बड़ी, दूसरी छोटी, तीसरी उससे छोटी हो तो उसे हनुमान रेखा या मंगल रेखा कहते हैं।

यदि मंगल रेखा से निकलकर भाग्य रेखा में कोई रेखा मिल जाती है तो ऐसे व्यक्ति को बहुत धन और जमीन जायदाद की प्राप्ति होती है।

यदि मंगल रेखा से निकलकर शनि पर्वत तक कोई रेखा होती है, ऐसा व्यक्ति अत्यंत सौभाग्यशाली होता है।

यदि मंगल रेखा से निकली हुई रेखा भाग्य रेखा को पार कर आगे बढ़े तो ऐसी स्थिति नुकसान करती है। यदि मंगल ग्रह उठा हुआ हो तो जातक के हाथ में हनुमानजी की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

यदि जीवन रेखा के साथ-साथ मंगल रेखा स्वच्छ हो, राहु रेखा उसे काटती हो और मंगल पर्वत पर शंख का चिह्न हो तो ऐसे व्यक्ति पर हनुमानजी की विशेष कृपा बनी रहती है।

रूंगटा यूनिवर्सिटी में पान मसाला और गुटखे में इस्तेमाल होने वाली सुपारी पर बड़ी रिसर्च

सिर्फ मुंह का कैंसर ही नहीं, सुपारी से लिवर को भी हो सकता है बड़ा नुकसान

शरीर के अंदर पहुंचकर लिवर पर असर

प्रोफेसर पराग ने बताया कि, सुपारी में मौजूद एरकोलीन एक प्रमुख रसायन है। इसे सुपारी का ऐसा रसायन माना जाता है, जो शरीर पर नशे की लत और दूसरे असर डालता है। जब यह शरीर में पहुंचता है तो खून के साथ लिवर तक जाता है। शोध में पाया गया कि लिवर इसे बहुत तेजी से बदलता है। अहम बात यह है कि एरकोलीन को लिवर की कोशिकाओं के लिए नुकसानदायक माना गया है।



यानी शरीर इस रसायन को संभालने की कोशिश करता है, लेकिन जिस रसायन से लिवर को निपटना पड़ता है, वह खुद लिवर की कोशिकाओं के लिए

कब्ज से राहत

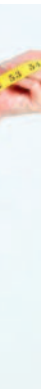
आपका डाइजैस्टिव सिस्टम आपके सोने -जागने के साइकिल को फॉलो करता है। देर रात तक जागने और देर से उठने से बाउल मूवमेंट अनियमित हो सकता है। लेकिन, जो महिलाएं जल्दी सोती और उठती हैं, उनका पेट सुबह नेचुरली साफ हो जाता है। अच्छीस नींद डाइजेशन पर सही करती है और कब्जो को दूर करती है।

भूख और केविंग पर कंट्रोल

देर रात तक जागने से ग्रेलिन यानी भूख वाला हार्मोन बढ़



जाता है और लेप्टिन यानी पेट भरा होने का एहसास कराने वाला हार्मोन कम हो जाता है। यही कारण है कि आपको रात में ज्यादा भूख लगती है और कार्ब्स खाने का मन करता है। जल्दी सोने से इन हार्मोस का बैलेंस बना रहता है, जिससे क्रेविंग कम होती है और आप इमोशनल ईटिंग से बचते हैं।



घर में पाञ्चजन्य शंख रखने का जानें नियम

पाञ्चजन्य शंख को विजय, शक्ति और धर्म का प्रतीक माना जाता है। यह सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक भी है। अब ऐसे में पाञ्चजन्य शंख को घर में रखा जा सकता है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी से विस्तार से जानते हैं।

पाञ्चजन्य शंख को घर में रख सकते हैं?

हिंदू धर्म में शंख को बहुत पवित्र और शुभ माना जाता है। पाञ्चजन्य शंख को घर में रख सकते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार शंख को हमेशा पूर्व या उत्तर दिशा में रखें। इससे व्यक्ति को वास्तु दोष से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही



उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है। इसलिए अगर आप घर में पाञ्चजन्य शंख को रख रहे हैं, तो विधिवत रूप से पूजा-पाठ करने के बाद ही रखें।

पाञ्चजन्य शंख का महत्व क्या है?

पाञ्चजन्य शंख को घर में रखने से वास्तु दोष से छुटकारा मिल जाता है। वहीं इस शंख को बजाने से व्यक्ति के घर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही पारिवारिक कलह-क्लेश से भी मुक्ति मिल जाती है। पाञ्चजन्य शंख को भगवान विष्णु का चिह्न बताया गया है। इसलिए ऐसी मान्यता है कि इसे घर में रखने से व्यक्ति के ऊपर श्रीहरि की कृपा बनी रहती है। इसके साथ-साथ माता लक्ष्मी की कृपा भी बरसती है। साथ ही आर्थिक तंगी से भी छुटकारा मिल जाता है।



दिमाग पर भी असर डालता है

एरकोलीन का असर केवल लिवर तक नहीं है। यह दिमाग में मौजूद कुछ खास जगहों पर असर डाल सकता है। इसी वजह से सुपारी खाने के बाद कुछ लोगों को उत्तेजन, ज्यादा सकर्कता या मानसिक सक्रियता महसूस हो सकती है। यही असर बार-बार सेवन करने पर सुपारी की आदत और निर्भरता बढ़ने से भी जुड़ जाता है। लिवर में एरकोलीन के टूटने के बाद एरकेडीन नाम का दूसरा रसायन बनता है। यह भी पूरी तरह बेअसर नहीं है। शोध में पाया गया कि एरकेडीन मुंह के अंदर की कोशिकाओं में एक ऐसे पदार्थ का बनना बढ़ा सकता है, जिससे वहां के ऊतक सख्त होने लगते हैं। इसका नतीजा ओरल सबम्यूकस फाइब्रोसिस जैसी बीमारी के रूप में सामने आ सकता है। इसमें मुंह के अंदर की त्वचा धीरे-धीरे सख्त होती जाती है और आगे चलकर मुंह खोलने में परेशानी हो सकती है। शोध में सुपारी के एक दूसरे रसायन गुवाकोलीन की भी जांच की गई। यह एरकोलीन की तुलना में लिवर में बहुत धीमी गति से बदला। इससे वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद मिली कि सुपारी में मौजूद अलग-अलग रसायनों का शरीर पर असर एक जैसा नहीं होता। बल्कि यह शरीर के विभिन्न हिस्सों को नुकसान पहुंचाती है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

महिलाओं को डेट करके चर्चा में आया ये ग्लोबल स्टार

अमेरिकन रैपर, सिंगर और सॉन्गराइटर ड्रेक इन दिनों चर्चा में हैं। वजह है उनका एक शो जिसमें उन्होंने एक साथ 20 महिलाओं को डेट किया। अब इस शो के कई वीडियो वायरल है। ड्रेक ने हाल ही में किक प्लेटफॉर्म पर एक लाइवस्ट्रीम के दौरान एक अनोखा डेटिंग शो होस्ट किया। इस वायरल शो में उन्होंने लगभग 40 मिनट के भीतर 20 महिलाओं के साथ डेट किया। इस स्पीड डेटिंग के दौरान ड्रेक ने सभी से बातचीत की, उन्हें जाना, कई बड़े खुलासे किए और अंत में एक विजेता का नाम घोषित किया। ड्रेक का ध्यान गॉथ स्ट्रीमर पिकच्यु ने सबसे ज्यादा आकर्षित किया, जिनके साथ उनकी केमिस्ट्री इंटरनेट पर चर्चा का विषय बन गई। शो के अंत में ड्रेक ने विनर पिकच्यु की मां के लिए एक घर खरीदने और नकद राशि समेत कई महंगे उपहार देने की घोषणा की। इस लाइवस्ट्रीम के दौरान ड्रेक ने धोखे और रिश्तों को लेकर लंबी बातचीत की। उनके जवाब और हाव-भाव सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुए। लाइव शो पर मौकना पूरे एपिसोड का सबसे चौंकाने वाला पल था। प्रतियोगी पिकच्यु के कहने पर ड्रेक ने कैमरे पर भीकने की आवाज निकाली। इसे लेकर उनकी जमकर आलोचना की जा रही है। 39 साल के ऑब्रे ड्रेक ग्राहम को पेशेवर रूप से ड्रेक के नाम से जाना जाता है। ड्रेक एक प्रसिद्ध कनाडाई रैपर, गायक और गीतकार हैं। ड्रेक को हिप-हॉप संगीत में आरएंडबी शैली को लोकप्रिय बनाने और दुनिया के सबसे सफल संगीत कलाकारों में गिना जाता है।

टॉलीवुड

‘टॉक्सिक’ का ट्रेलर आया सामने, यश के लुक को देखकर यूजर्स ने ली चुटकी

एक्टर यश की फिल्म 'टॉक्सिक' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, लेकिन फैस ट्रेलर को देखकर रणबीर कपूर की फिल्म 'एनिमल' से तुलना कर रहे हैं। यश की आने वाली फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रीन-अप्स' का ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू हो गई है। खासकर यश के कुछ बोलड सीन और उनका गैंगस्टर लुक लोगों का ध्यान खींच रहा है। ट्रेलर देखने के बाद कई लोग यश के लुक और सीन की तुलना रणबीर कपूर की फिल्म 'एनिमल' से करने लगे हैं। 'एनिमल' साल 2023 में रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई थी। सोशल मीडिया पर फैस के अलग-अलग रिएक्शन सामने आ रहे हैं। कुछ लोगों को यश का अंदाज काफी पसंद आया, तो वहीं कई यूजर्स का कहना है कि उनका लुक और स्टाइल रणबीर कपूर से मिलता-जुलता है। एक यूजर ने दोनों फिल्मों के सीन की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, 'यश ने रणबीर को कॉपी करने में पीएचडी कर ली है।' वहीं दूसरे ने कहा, 'यह सीन देखकर मुझे 'एनिमल' की याद आ गई।' कुछ लोगों ने तो 'टॉक्सिक' को सीधे तौर पर 'एनिमल' की कॉपी तक बता दिया। हालांकि, कई फैस ऐसे भी हैं जो यश का सपोर्ट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'यश दिखाएंगे कि असली 'एनिमल' कैसा होता है।' वहीं कुछ लोगों का मानना है कि सिर्फ बोलड सीन दिखाने से फिल्म 'एनिमल' जैसी नहीं बन सकती। फिल्म में यश लीड रोल में नजर आएंगे, जो राया का किरदार निभा रहे हैं। कियारा 'नादिया' का किरदार निभा रही हैं। वहीं तारा सुतारिया 'रबेका' और हुमा कुरैशी 'एलिजाबेथ' के किरदार में नजर आएंगी। इनके अलावा नयनतारा, रुक्मिणी वसंत समेत और भी कलाकार फिल्म में नजर आएंगे। ट्रेलर रिलीज होने के बाद अब फैस जल्द ही फिल्म के रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं।

भोजपुरी

स्टाइलिश लुक साझा किए मोनालिसा ने, दिखाई अपनी फिटनेस भी

भोजपुरी अभिनेत्री मोनालिसा ने अपनी स्टाइलिश फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। वे डेनिम शॉर्ट्स पहने बिंदस लुक में नजर आ रही हैं। मोनालिसा भोजपुरी सिनेमा की चर्चित अभिनेत्री हैं। अपने अभिनय के अलावा वे लुक्स को लेकर भी खूब सुर्खियां बटोरती हैं। वे अपनी तस्वीरें अक्सर सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं। फिर एक बार एक्ट्रेस ने अपने स्टाइलिश लुक साझा किए हैं। मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से आज एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने अपनी स्टाइलिश तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिनमें मोनालिसा डेनिम शॉर्ट्स और रेड टॉप में दिख रही हैं। उन्होंने टीशर्ट से मैचिंग फुटवियर्स पहन रखे हैं। तस्वीरों के साथ मोनालिसा ने रेड हार्ट इमोजी बनाए हैं। भोजपुरी अदाकारा ने ये तस्वीरें नेचर के बीच पार्क में क्लिक कराई हैं। वे अपना कर्वी फिगर फ्लॉट करती दिख रही हैं। 43 वर्षीय मोनालिसा अपनी फिटनेस के लिए मशहूर हैं। वे फिट रहने के लिए नियमित एक्सरसाइज करती हैं। मोनालिसा की तस्वीरों पर नेटिजंस तारीफ कर रहे हैं। यूजर्स उन्हें गॉर्जियस डॉल कह रहे हैं।

तितली चली

ऑस्ट्रेलिया की खूबसूरत मॉडल शनीना शैक काले रंग के टाइट कोसेंट और बटरफ्लाई विंग्स (तितली जैसे पंख) पहनकर विक्टोरियाज सीक्रेट के रनवे पर उतरीं। शैक ने अब तक पाँच 'विक्टोरियाज सीक्रेट' शो में रैंप वॉक किया है और यह साबित कर दिया है कि उन्हें बार-बार क्यों बुलाया जाता है। लगजरी लॉन्जरी ब्रांड के सालाना फ्रेंशन शो में, 24 साल की इस मॉडल ने तितली जैसे पंख पहनकर न्यूयॉर्क के रनवे पर शानदार अंदाज में एंट्री की और सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया।



लाइफ स्टाइल

बारिश में बचिए बॉडी बटर के इस्तेमाल से

अपना त्वकन का माइश्चराइज करन कालिए हम सभी कई तरह के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। इनमें बॉडी बटर बेहद ही पॉपुलर है, जो आपको रूखी त्वकन को बेहतर तरीके से हाइड्रेट रखने में मदद करते हैं। बॉडी बटर थोड़े थिक कंसिस्टेंसी के होते हैं और इसलिए इनसे आपको डीप हाइड्रेशन मिलता है। लेकिन क्या आपको पता है कि बॉडी बटर का इस्तेमाल हर मौसम में नहीं किया जाना चाहिए। खासतौर से, बारिश के दौरान बॉडी बटर का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। इस मौसम में अगर नियमित रूप से बॉडी बटर का इस्तेमाल करती हैं तो इससे आपको कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको मानसून के दौरान बॉडी बटर का इस्तेमाल करने के कुछ नुकसान के बारे में बता रहे हैं- **स्किन रहती है चिपचिपी** : बारिश के मौसम में नमी बहुत अधिक बढ़ जाती है। वहीं, दूसरी ओर बॉडी बटर की कंसिस्टेंसी थिक होती है। जिसके कारण जब बॉडी बटर को स्किन पर अप्लाई किया जाता है तो यह स्किन में जल्दी से अब्सॉर्ब नहीं हो पाता है। जिससे आपकी स्किन अधिक ऑयली, चिपचिपी या फिर



ग्रीसी महसूस हो सकती है।

क्लॉग पोर्स की समस्या : बॉडी बटर स्किन पर काफी हैवी हो सकता है। यदि आप इसे अधिक मात्रा में लगाती हैं या फिर आप मानसून में अपनी एकने प्रोन स्किन पर अप्लाई करती हैं तो इससे आपके पोर्स क्लॉग हो सकते हैं। साथ ही साथ, इससे स्किन इरिटेशन या ब्रेकआउट की शिकायत भी हो सकती है। **फंगल इंफेक्शन का बढ़ता खतरा** : मानसून के दौरान ह्यूमिडिटी के कारण फंगल इंफेक्शन का खतरा काफी बढ़ जाता है।

एथनिक वियर के साथ पोटली बैग करें स्टाइल

अगर आपको भी बैग की अलग-अलग कलेक्शन रखना पसंद है तो इसके लिए आप पोटली डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं। इस तरीके की पोटली एथनिक वियर के साथ काफी अच्छी लगेंगी।

पर्ल पोटली बैग डिजाइन

अगर आप किसी पार्टी में जा रही हैं और एथनिक आउटफिट वियर कर रही हैं तो इसके लिए सबसे बेस्ट है पर्ल डिजाइन वाला पोटली बैग। इस तरीके की पोटली बैग के डिजाइन आजकल काफी ट्रेंड में हैं। इसमें आपको अंदर की तरह कपड़े की पोटली मिलेगी और बाहर पर्ल से इसे कवर किया हुआ होगा। इसी के साथ इसकी डोरी में भी पर्ल मिलेंगे। इस तरीके के पोटली बैग आप लहंगे, साड़ी और सूट के साथ स्टाइल कर सकती हैं। ये आपके लुक को क्लासी बनाते हैं साथ ही खूबसूरत लाते हैं। मार्केट से आप इन्हें 500 की रेंज में खरीद सकती हैं।

हैंड वर्क पोटली बैग डिजाइन

कई सारी लड़कियां होती हैं जिन्हें हैंड वर्क वाली चीजें काफी पसंद होती हैं। ऐसे में आप इस तरीके के पोटली बैग (सिल्क पोटली डिजाइन) को ट्राई कर सकती हैं। इसमें आपको हाथों से किया हुआ काम मिलेगा। जिसमें थ्रेड वर्क का इस्तेमाल किया होगा। आप इस तरीके के बैग को एथनिक



वियर के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इनकी खास बात ये होती है कि इसमें की गई एम्ब्राइडरी कभी काली नहीं पड़ती है। बस आपको इस बात का ध्यान रखना होगा कि जब भी इसे वॉश करें तो मशीन का इस्तेमाल न करें। वरना ये खराब हो जाएगा। इस तरीके के बैग के डिजाइन आपको मार्केट में 250 से 500 की रेंज में मिल जाएंगे।

सीक्वेंस वर्क पोटली बैग डिजाइन

हम कई बार सिंपल आउटफिट को स्टाइल करते हैं और उसे हैवी लुक देने की कोशिश करते हैं। अगर आप भी ऐसा कुछ करती हैं तो इसके लिए आप इस तरीके के पोटली बैग (पोटली बैग स्टाइल करने का तरीका) को ट्राई कर सकती हैं। इसमें आपको सीक्वेंस वर्क, मिरर वर्क और गोटा पट्टी वर्क वाले बैग मिल जाएंगे। जिन्हें आप अपने आउटफिट के साथ मैच करके स्टाइल कर सकती हैं।

हालाक, अगर आप इस मासम म बाडा बटर का इस्तेमाल करते हैं तो इससे यह समस्या और भी अधिक बढ़ सकती है। अगर आप शरीर की हाइजीन का पूरा ख्याल नहीं रखते हैं और पसीना जमा होने वाले एरिया पर बॉडी बटर लगाते हैं तो इससे आपको फंगल इंफेक्शन की शिकायत हो सकती है। **हो सकता है एलर्जिक रिएक्शन** : कई बार बॉडी बटर में फ्रेगरेंस आदि का इस्तेमाल किया जाता है और इसलिए अगर बॉडी बटर को सेंसेटिव स्किन पर लगाया जाता है तो इससे एलर्जिक रिएक्शन का खतरा काफी बढ़ जाता है। मानसून के दौरान नमी के कारण एलर्जिक रिएक्शन की संभावना काफी बढ़ जाती है।

शरीर से बेड स्मेल आने की समस्या : जब आप मानसून में स्किन को माइश्चराइज करने के लिए बॉडी बटर का इस्तेमाल करते हैं तो इससे आपको बेड स्मेल की समस्या का सामना भी करना पड़ सकता है। दरअसल, बॉडी बटर जल्दी से स्किन में अब्सॉर्ब नहीं होता है और ऐसे में यह आपके शरीर से निकलने वाले पसीने के साथ मिक्स हो सकता है।

बेल स्लीव्स में स्टनिंग दिखने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

अगर आप अपने आउटफिट में स्टनिंग दिखना चाहती हैं तो ऐसे में बेल स्लीव्स को स्टाइल कर सकती हैं। बेल स्लीव्स को स्टाइल करते हुए कुछ टिप्स आपके काम आएंगे। स्टाइलिश दिखने के लिए अक्सर हम सभी डिजाइनर आउटफिट पहनते हैं या फिर अपने कपड़ों पर हजारों खर्च करते हैं। लेकिन वास्तव में अगर आप अपने आउटफिट को थोड़ा स्मार्टली स्टिच करवाते हैं तो इससे आपका पूरा लुक निखर जाता है। मसलन, अगर आप सूट या साड़ी पहन रही हैं तो ऐसे में आप कुर्ती या ब्लाउज में बेल स्लीव्स डिजाइन करवा सकती हैं। सिर्फ आपके स्लीव्स का स्टाइल ही आपको स्टनिंग दिखाने में मदद करेगा। चूँकि, बेल स्लीव्स डिजाइन नार्मल स्लीव्स से काफी अलग होता है, इसलिए जब आप इसे डिजाइन करवाती हैं तो आपको कुछ छोटी-छोटी बातों का भी ध्यान रखना होता है। इन टिप्स को फॉलो करके आपका ओवर ऑल लुक काफी अच्छा लगता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आपको बेल स्लीव्स डिजाइन करवाते समय ध्यान में रखना चाहिए-

लेंथ पर दें ध्यान

जब आप बेल स्लीव्स पहन रही हैं तो आपको उसकी लेंथ पर भी ध्यान देना चाहिए। आप अपने बॉडी टाइप को ध्यान में रखते हुए लेंथ को सेलेक्ट करें। मसलन, अगर आपकी हाइट कम है तो अपने लुक को बैलेंस



करने के लिए आप शॉर्ट स्लीव्स को चुनें। वहीं, अगर आप स्लिम हैं और आपकी हाइट लंबी है तो आप थ्री फोर्थ लेंथ की बेल स्लीव्स भी डिजाइन करवा सकती हैं।

ओकेजन का रखें ध्यान

बेल स्लीव्स को यूं तो किसी भी ओकेजन पर पहना जा सकता है, लेकिन जब आप उसे स्टाइल कर रही हैं तो आपको ओकेजन का खास तौर पर ध्यान रखना चाहिए। मसलन, केजुअल आउटिंग के लिए, जींस या शॉर्ट्स के साथ फ्लोइड बेल स्लीव्स टॉप एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है, वहीं किसी फॉर्मल ओकेजन के लिए आप बेल स्लीव्स के साथ स्ट्रक्चर्ड टॉप पहन सकती हैं।

ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी को साड़ी के साथ इन तरीकों से करें कैरी

साड़ी एक ऐसा एथनिक वियर है, जिसे किसी भी ओकेजन पर आसानी से कैरी किया जा सकता है। आमतौर पर, हम सभी ऑफिस से लेकर पार्टी तक साड़ी को स्टाइल करते हैं। यूं तो साड़ी देखने में बेहद ही ग्रेसफुल लगती है, लेकिन अगर इसके साथ ज्वेलरी को सोच-समझकर स्टाइल किया जाए तो इससे आपका लुक और भी अधिक निखर जाती है। साड़ी के स्टाइल के अनुसार आप पर्ल से लेकर कुंदन, डायमंड व गोल्ड ज्वेलरी आदि कई तरह की एक्सेसरीज कैरी कर सकती हैं। लेकिन ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी की बात ही कुछ और है।

पहनें स्टेटमेंट नेकपीस

अगर आप किसी पार्टी के लिए रेडी हो रही हैं और साड़ी के साथ ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी कैरी करना चाहती हैं तो ऐसे में स्टेटमेंट नेकपीस पहनना अच्छा विचार हो सकता है। कोशिश करें कि आप साड़ी के साथ डिजाइनर ब्लाउज और स्टेटमेंट ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी को स्टाइल करें। यह आपके स्टाइल को इंडो-वेस्टर्न लुक देता है। ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी के साथ आप अपनी आइज को बोलड लुक दें।

स्टाइल करें नेकपीस और इयररिंग्स

अगर आप साड़ी के साथ ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी पहनते समय एक बैलेंस लुक चाहती हैं तो ऐसे में ऑक्सीडाइज्ड नेकपीस के साथ मैचिंग इयररिंग्स को भी स्टाइल किया जा सकता है। यह एक ग्रेसफुल लुक है और डे टाइम या इवनिंग टाइम में अगर आप कहीं बारह जा रही हैं तो ऐसे में आप साड़ी के साथ ऑक्सीडाइज्ड नेकपीस के साथ इयररिंग्स को कैरी करें। जब आप इन दोनों को एक साथ पहन रही हैं तो इनमें से एक लाइट व दूसरा हैवी हो।

पहनें झूमके

झूमके या चांदबाली ऐसी इयररिंग्स हैं, जो साड़ी के साथ बेहद अच्छी लगती हैं। अगर आप भी साड़ी के साथ ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी को मिनिमम तरीके से कैरी करना चाहती हैं तो ऐसे में झूमके को स्टाइल किया जा सकता है। वहीं, अगर आप किसी खास अवसर के लिए तैयार हो रही हैं तो ऐसे में आप साड़ी के साथ ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी को पेयर किया जा सकता है।



रायपुर बाजार

Contact For Advertisement
79871 19756
90981 38778

पटेल बोटवेल्स

संतोषी नगर, रायपुर

9200003357, 7999898750

Kolmar, TEKNO, C.R.I. PUMPS, JETWAY

मोटर वाइंडिंग, वाटर पंप, रिपेयरिंग कार्ड किया जाता है।

पैसा चाहिए ? हमारे पास आइए

(केवल बिजनेस लोन) एजेंट आमंत्रित

न्यूनतम कागजी कार्यवाही 5 हजार से 5 लाख तक बिजनेस लोन

अज लोन लीजिए 100 किश्तों में पढ़ाये

मोटवानी फायनेंस

गली नं. 03, रिंगी कॉलोनी, तेलीबांचा, रायपुर

93404-44755

आपके विज्ञापन के लिये जगह उपलब्ध है।

संपर्क करें

मो. 6263818152, 7067183593

Bhoi's

SWIMMING ACADEMY

Give Your Child Confidence, Fitness, And Discover The Swimmer Within You!

Join Our Anthony Today (SPECIAL OFFER FOR 3 & 6 MONTH)

Choubay Colony Old Health Watch Raipur (C.G.)

98271169161
9589854455